दिल्ली से प्रकाशित व भारतवर्ष में प्रसारित

RNI No. : DLHIN/25/A0565, Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021

यूनिवर्सल मीडिया

Universal MEDIA

(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)

Email : universalmedianews18@ gmail.com
Mob.: 9560484749

संपादक :
राकेश कुमार
Mob.: 9560484749

चौधरी ब्रह्मा प्रकाश का... 3

जीवन के रास्ते पर ध्यान... 2

वर्ष : 4 | अंक : 52 | नई दिल्ली, बृहस्पतिवार 19 जून से 25 जून 2025 | संपादक : राकेश कुमार | मूल्य : 1.00 रुपये | पृष्ठ : 8

ख़ास ख़बर

दिल्ली में कृत्रिम बारिश की तैयारी पूरी

नई दिल्ली।। वायु प्रदूषण कम करने के लिए दिल्ली सरकार का पहला कृत्रिम वर्षा पायलट प्रोजेक्ट पूरी तरह तैयार है। सभी तकनीकी तैयारियां और जरूरी मंजूरी मिल चुकी हैं। अब सिर्फ विमान उड़ान योजना जैसी कुछ छोटी औपचारिकताएं बाकी हैं। मौसम की अनुकूलता का इंतजार है। जैसे ही सही बादल नजर आएंगे अभियान शुरू कर दिया जाएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने परियोजना को मंजूरी दे दी है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में क्लाउड सीडिंग की संभावना की पुष्टि की है। परियोजना की अनुमानित लागत 3.21 करोड़ रूपए है और इसका पूरा खर्च दिल्ली सरकार वहन करेगी।

डॉक्टर के घर 30 लाख की चोरी

नई दिल्ली।। दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में एक फिल्मी स्टाइल की चोरी का मामला सामने आया है, जहां तीन लड़कियों ने मिलकर 30 लाख रुपए की चोरी को अंजाम दिया। मास्टरमाइंड और लॉ की छात्रा रजनी (27) ने अपनी दोस्त शिल्पी (19) को फर्जी पहचान के साथ डॉक्टर के घर में नौकरानी के रूप में भेजा। नौकरी शुरू करने के महज दो दिन के भीतर ही शिल्पी घर से लाखों की नकदी और मोबाइल

बंधक बनाकर 26 लाख की लूट, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली।। लाहौरी गेट थाना पुलिस की टीम ने चांदनी चौक के कुचा घासी राम में 26 लाख रुपए की लूट का पर्दाफाश करते हुए 4 आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 18 लाख रुपए बरामद किए है। पकड़े गए आरोपियों में कैलाश, मोतीलाल, मुकेश और राजमल उर्फ राजू है।

फैक्ट्री का ताला तोड़कर सामान चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली।। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस टीम ने फैक्ट्री का ताला तोड़कर सामान चोरी करने वाले दो बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद फहीम उर्फ भोमा और शाहनवाज उर्फ टिकली है। पुलिस ने इनके पास से 12 किलोग्राम वजनी लोहे से बने मशीन के स्पेयर पार्ट्स और 20 किलोग्राम वजनी लोहे की छड़ें बरामद की है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

गाजियाबाद पुलिस ने ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए एलर्ट व्हील्स अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न चौराहों पर 46 स्थानों पर चेकिंग की गई।पुलिस ने बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट और गलत दिशा से आने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की। टीम ने कुल 1425 वाहनों की जांच की। इनमें से 754 वाहन चालकों का मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया गया।

आज का सुविचार

स्वमान में स्थित रहने वाली आत्मा दूसरों को मान देकर आगे बढ़ाती है।

चंद्रबाबू नायडू के ड्रीम प्रोजेक्ट पर मोदी सरकार मेहरबान, पहले लोन दिलाया, अब कर रही प्रोजेक्ट की फंडिंग

अमरावती शहर को बनाने के लिए केंद्र सरकार अब आगे बढ़कर मदद कर रही है। पहले सरकार ने लोन दिलाने में मदद की थी। लेकिन अब केंद्र सरकार खुद ही सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और घरों के लिए पैसे देगी। इन प्रोजेक्ट्स पर कुल 2,787 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

» **यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी**

अमरावती।। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने गजब की दरियादिली दिखाई है। केंद्र सरकार एक ओर अमरावती को बसाने के लिए डायरेक्ट फंडिग कर रही है, दूसरी ओर देसी-विदेशी संस्थाओं से लोन दिलाने में मदद कर रही है।

जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार ने अमरावती में सेंट्रल सेक्रेटेरिएट के लिए 1458 करोड़ और घर बनाने के लिए 1329 करोड़ देने की हामी भर दी है। बता दें कि लोकसभा में तेलगूदेशम के 16 सांसद हैं, जो एनडीए सरकार को समर्थन दे रहे हैं।

नायडू के लिए खजाने का मुंह बंद नहीं : 2024 में सरकार बनने के बाद केंद्र सरकार ने पहले बजट में आंध्र प्रदेश के लिए भारी-भरकम पैकेज का ऐलान किया था। इस कारण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन की काफी आलोचना हुई, मगर मोदी सरकार एनडीए में शामिल चंद्रबाबू नायडू के लिए खजाने का मुंह बंद नहीं किया। केंद्र सरकार ने चंद्रबाबू नायडू के अमरावती प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए सारे पत्ते खोल दिए। अमरावती में प्रोजेक्ट्स के लिए पहले केंद्र सरकार ने वर्ल्ड बैंक और एशियन डिवेलपमेंट बैंक से लगभग 15,000 करोड़ रुपये का लोन दिलाने में मदद की है। इसके अलावा हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से 11,000 करोड़ का लोन भी दिलाया है। जर्मनी का केएफडब्ल्यू बैंक भी 5,000 करोड़ रुपये का लोन दे सकता है।

सरकार सीधे पैसा दे रही

एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि अमरावती के लिए अभी तक जो पैसा मिला है, वह लोन के रूप में था। ये दो प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं जिनमें सरकार सीधे पैसा दे रही है। डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर ने इन दोनों योजनाओं को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स मिनिस्ट्री से मिली है। यह मिनिस्ट्री सीपीडब्ल्यूडी के लिए काम करती है।

चूंकि ये दोनों प्रोजेक्ट 500 करोड़ से ज्यादा के हैं, इसलिए पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड से भी मंजूरी लेनी होगी। जानकारों के अनुसार, बोर्ड की अगली मीटिंग में इस पर विचार किया जाएगा।

आत्मा का परमात्मा से मिलन ही योग

ब्रह्माकुमारीज़ आरम्भ से अबतक चली गतिविधियां ध्यान, साधना, मानसिक स्थिति, आंतरिक स्थिरता और सदम्मार्ग पर चलने की प्रवृत्ति को उत्तेजन देने का बखूबी कार्य कर रही है। ब्रह्मचर्य का पालन, शाकाहार, नशामुक्ति शान्तिपूर्ण जीवन, राजयोग ध्यान और इसके माध्यम से आत्मा और परमात्मा से मिलन, आत्म ज्ञान की प्राप्ति से शुद्ध, शान्त और अमर आत्मा की अनुभूति करना इन सब चीज़ों को संस्थान ने बहुत ही सरल रूप में दुनिया के सामने पहुंचाया है।

- महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत

राहुल गांधी ने मनाया 55वां जन्मदिन, पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, जानिए उनके राजनीतिक सफर की खास बातें

● **यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता**

नई दिल्ली।। आज कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 55वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।'

राहुल गांधी का जन्म 19 जून 1970 को नई दिल्ली में हुआ था। वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के पुत्र हैं। राहुल गांधी ने प्रारंभिक शिक्षा भारत में प्राप्त करने के बाद अमेरिका के फ्लोरिडा में रोलिन्स कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और फिर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के ट्रिनिटी कॉलेज से एम.फिल. की डिग्री हासिल की।

राजनीति में उन्होंने वर्ष 2004 में कदम रखा और अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। इसके बाद 2009 और 2014 में भी वह अमेठी से सांसद बने। वर्ष 2017 में उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। हालांकि 2019 में पार्टी की हार के बाद उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

2024 लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और दोनों जगहों से जीत हासिल की। इस चुनाव में उनके अभियान की प्रमुख झलक 'भारत जोड़ो यात्रा' थी, जिसने उन्हें देशभर में चर्चा का केंद्र बना दिया। राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए राहुल गांधी ने युवाओं, किसानों और सामाजिक मुद्दों पर लगातार आवाज़ उठाई है। वर्तमान में वह कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति और दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

अमरनाथ से रामेश्वरम जल यात्रा पर निकलेंगे कपिल सिंह, नोएडा सांसद से की भेंट

» **यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी**

नोएडाः अमरनाथ जी से जल लेकर 4000 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर निकलने वाले कपिल सिंह ने यात्रा से पूर्व नोएडा सांसद डॉ. महेश शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर आशीष कुमार और यूनिवर्सल मीडिया के राकेश कुमार भी उपस्थित रहे। सांसद ने इस अद्भुत संकल्प के लिए कपिल सिंह को शुभकामनाएं दीं और यात्रा की सफलता की कामना की।

चीन का बढ़ता परमाणु जखीरा, पाकिस्तान की सत्ता पर फौज का बढ़ता दबदबा, भारत के लिए खतरे की घंटी

● **यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता**

नई दिल्लीः स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की एक नई रिपोर्ट आई है। यह रिपोर्ट बताती है कि दुनिया एक नए और खतरनाक परमाणु युग में प्रवेश कर रही है। चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। क्षेत्रीय विवाद परमाणु युद्ध में बदल सकते हैं। SIPRI की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने जनवरी 2024 से अब तक 100 परमाणु हथियार बढ़ा लिए हैं। अब उसके पास 600 परमाणु हथियार हो गए हैं। यह भारत (180) से बहुत ज्यादा है। चीन ऐसे समय में खतरनाक तरीके से परमाणु हथियार बढ़ा रहा है, जब अमेरिका और रूस पुराने हथियारों को नष्ट कर रहे हैं। इसलिए कुल मिलाकर दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या थोड़ी कम हुई है।

'लॉन्च-ऑन-वार्निंग' की नीति अपना सकता चीन : SIPRI का अनुमान है कि 2025 की शुरुआत में दुनिया में लगभग 12,241 परमाणु हथियार थे। इनमें से 3,900 से ज्यादा चालू हालत में हैं। 2,100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल हाई अलर्ट पर हैं। एर्ड्डिंघ का कहना है कि चीन न केवल अपने हथियारों की संख्या बढ़ा रहा है, बल्कि अपनी परमाणु नीति भी बदल रहा है। ऐसा लगता है कि चीन अब कम हथियार रखने से संतुष्ट नहीं है। वह 'लॉन्च-ऑन-वार्निंग' की नीति अपना सकता है। इसका मतलब है कि वह दुश्मन

के हमले की चेतावनी मिलते ही तुरंत जवाबी हमला कर सकता है।

हथियारों की होड़ में ड्रैगन, भारत के लिए खतरे की घंटी : चीन हर तरह के खतरे से निपटने की तैयारी कर रहा है। वह नई इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल बना रहा है। समुद्र से मार करने वाली मिसाइलें बना रहा है। मल्टिपल इंडिपेंडेंटल टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है। MIRV तकनीक से एक मिसाइल कई लक्ष्यों को एक साथ मार सकती है। चीन 2035 तक 1,500 परमाणु हथियार बना सकता है। यह उसकी पुरानी नीति से बहुत अलग है। पहले वह कम हथियार रखने की नीति पर चलता था। चीन की हथियारों के प्रति होड़ बढ़ाने वाली यह नीति भारत के लिए बहुत बड़ी खतरे की घंटी है।

भारत भी करता जा रहा है जवाबी क्षमता में विस्तार : रिपोर्ट के अनुसार भारत ने भी पिछले साल अपने परमाणु हथियारों की संख्या थोड़ी बढ़ाई है। उसने 172 से 180 हथियार कर लिए हैं। वह अपनी मिसाइल प्रणाली को भी बेहतर बना रहा है। SIPRI का कहना है कि भारत की नई अग्नि-प्राइम और अग्नि-5 मिसाइलें कैनिस्टर (मेटल के कंटेनरों) में रखी जाती हैं। इससे उन्हें शांति के समय में भी तैनात किया जा सकता है। Agni-5 का 2023 में MIRV के साथ परीक्षण किया गया था। इससे पता चलता है कि भारत भी जवाबी हमले की क्षमता बढ़ा रहा है। लेकिन, चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के मुकाबले यह अभी भी बहुत कम है। भारत की स्ट्रैटजिक फोर्स कमांड अपनी समुद्री ताकत भी बढ़ा रही है। उसके पास दो शिप सबमर्सिबल बैलिस्टिक न्यूक्लियर हैं। तीसरा भी जल्द ही शामिल होने वाला है। SIPRI का कहना है कि भारत के पास अब परमाणु हथियारों का एक मजबूत त्रिकोण है। मतलब वह जमीन, हवा और समुद्र से परमाणु हमला कर सकता है।

नाथेश्वरम चैरिटेबल ट्रस्ट

प्रस्तुत करता है पहली फाउंडेशन द्वारा आयोजित

अमरनाथ से रामेश्वरम
तक बिना रुके 4000 किलोमीटर की रिले यात्रा!

2 जुलाई 6 AM ऑनवर्ड | 30 दिन
11 राज्य | 70 शहर

यात्रा की मुख्य विशेषताएं
प्रारंभ एवं समाप्ति बिंदु: नई दिल्ली, गीता कॉलोनी हनुमान मंदिर, रामलीला मैदान
मार्ग: अमरनाथ से रामेश्वरम
अपेक्षित भागीदारी: 50,000+ लोग
कौन शामिल हो सकता है? भारत भर में हर कोई

NATHESHWARAM CHARITABLE FOUNDATION
AC NO- 50200102035367
IFSC CODE- HDFC0000120
BRANCH CODE- 0120
BRANCH NAME- VIKAS MARG

पंजीकरण कैसे करें?
सदस्य बनें
www.natheshwaram.com
पंजीकरण के बाद अपना यात्रा आईडी कार्ड + टी-शर्ट प्राप्त करें
+91 92206 02209 info@natheshwaram.com

सेवा की पहल जारी
1. पूरे भारत में 50,000 पेड़ लगाए जाएंगे
2. वंचित बच्चों के लिए 1,00,000 स्कूल किट
3. ग्रामीण समुदायों के लिए स्वास्थ्य शिविर और चिकित्सा सहायता
4. जरूरतमंदों के लिए ताज़ा भोजन और कपड़े
5. कस्बों और गांवों में सफाई एवं स्वच्छता अभियान

आस्था और सेवा के माध्यम से अखंड भारत के लिए हाथ मिलाएं
इस आध्यात्मिक क्रांति में शामिल हों - विश्वास के लिए चलें, सेवा के लिए चलें, भारत के लिए चलें।

प्रायोजित:
KARA PETAL AND HERBS PRIVATE LIMITED
Website: www.karaaqua.com
Contact Info: info@karaaqua.com
+91 9220241010 +91 9220231010

डिजिटल मीडिया और वेब पार्टनर:
CWL TECHNOLOGY PVT. LTD.
Website: www.coderworldlabs.com
Contact Info: info@coderworldlabs.com
+91 7982940212

मीडिया पार्टनर:
यूनिवर्सल मीडिया NATIONAL NEWS PAPER
जन ख़बर NATIONAL NEWS PAPER
ABS Live 18 CHANNEL

राकेश कुमार (ब्यूरो चीफ)
Mob : 9560484749, 9990672983
Email : avslive18@gmail.com
universalmedianews18@gmail.com

इतिहास का हिस्सा बनें। मानवता का हिस्सा बनें।
आज ही नाथेश्वरम रिले यात्रा में शामिल हों!

सम्पादकीय

सत्य की राह

'आप निश्चित ही अपनी ज़िंदगी में सफलता पाओगे बशर्ते, जो ज्ञान दूसरों को बांटते हो, पहले खुद अपनाओ और खुद के जीवन में उस पर अमल शुरु करो'।

राकेश कुमार

किसी को भी कम नहीं आंकना चाहिए, क्योंकि, हजारों, लाखों के कपड़े शो रुम में टंगे रह गए लेकिन, एक छोटा सा कपड़े का टुकड़ा, मास्क के रूप में करोड़ों की कमाई करा गया। कहते हैं कि अकूत (अथाह) संपत्ति होते हुए भी आप अपने दिमाग़ से अपनी 'अमीरी' का बेकार का वहम निकाल दीजिए क्योंकि... ध्यान रहे कि आप केवल 'अमीर' हो सकते हो लेकिन, 'अमर' कदापि नहीं।।।

'कुछ लोग संबंध निभाते समय भी दिल की जगह केलकुलेटर प्रयोग करते हैं और... हाथ मिलाते हुए सारा हिसाब निकालते हैं कि मुझे इससे कितना और क्या-2 फायदा हो सकता है?'

इस संसार में दूसरे कुछ ऐसे भी होते हैं जिनका दुआएं देने का सिलसिला कभी रुकता नहीं, वो स्वयं चाहे कितना भी दर्द, तकलीफ़ से गुज़र रहे हो और...कहते हैं कि इस भरी दुनियां में ऐसे भी लोग हैं जो मक्कारी करते समय भी मुस्कुराते रहते हैं, परन्तु...

ध्यान रहे कि आपके कर्मों के फल सिर्फ आपको ही भोगने हैं, इसमें दूसरा कोई हिस्सेदार नहीं होता... इसलिए, खुद पर ध्यान दो, दूसरों पर नहीं।

ट्रंप को पीएम मोदी की खरीखरी

जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित सदस्य के रूप में कनाड़ा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहां आतंकवाद को लेकर अमेरिका सहित उन देशों पर भी निशाना साधा जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों का समर्थन करते है और उन्हें वित्तीय मदद मुहैय्या कराते है। पीएम मोदी ने दो टूक शब्दों में कहां कि आतंकवाद पर दोहरा रवैय्या नहीं चलेगा।

गौरतलब है कि एक ओर तो अमेरिका इरान के खिलाफ है और उस पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि वहां आतंकवादी संगठन पल रहे हैं। इसी वजह से इजराइल ने इरान के खिलाफ हल्ला बोल रखा है और इजराइल को अमेरिका की शह मिल रही है।

हालांकि अभी तक अमेरिका इन दोनों देशों की जंग में शामिल नहीं हुआ है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार इरान को अंजाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं। इसी जंग के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जी-7 शिखर सम्मेलन को अधूरा छोड़कर वापस अमेरिका लौट गए और उन्होंने फिर से इरान के लिए चेतावनी जारी की है कि वह सरेंडर कर दे अन्यथा इरान को तबाह कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर अमेरिका में पाकिस्तानी आर्मी चीफ असिम मुनिर की मेहमान नवाजी की जा रही है।

खुद डोनाल्ड ट्रंप ने असिम मुनिर को वाइट हाउस में दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया था। संभवतः अमेरिका के इस दोहरे मापदंड को लेकर ही पीएम मोदी ने जी-7 सम्मेलन में यह कहां कि आतंकवाद पर दोहरा रवैय्या नहीं होना चाहिए। पीएम मोदी ने आतंकवादियों को मानवता का दुश्मन बताते हुए विश्व समुदाय से अपील की है कि सभी देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो और आतंकवाद पर दोहरा रवैय्या अपना छोड़े। जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के इस संबोधन के तत्काल बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें फोन लगाया और आधे घंटे तक उनके साथ बातचीत की। गौरतलब है कि जब कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। तब डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन लगाया था और आतंकी हमले की कड़ी निंदा की थी। इसके बाद जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया तब से डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी।

यह बात अलग है कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का दावा करते रहे हैं। किन्तु पीएम मोदी ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब जबकि खुद डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर लंबी बातचीत की तो पीएम मोदी ने उन्हें आपरेशन सिंदूर से अवगत कराया और यह भी कहां कि आपरेशन सिंदूर अभी सिर्फ पाकिस्तान के अनुरोध पर स्थगित हुआ है लेकिन खत्म नहीं हुआ है।

रही बात दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कराने की तो भारत किसी तीसरे देश की मध्यस्थता का स्वीकार करेगा और न ही उसने ऐसा किया है। पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने पर ही भारत ने आपरेशन सिंदूर को स्थगित किया है और वह भी भारत ने अपनी शर्तों पर किया है। यदि पाकिस्तान ने फिर किसी आतंकवादी कार्रवाई को अंजाम दिया तो भारत पाकिस्तान के खिलाफ फिर बड़ी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान की किसी भी आतंकी घटना को हम जंग मानेंगे और उसका उसी तरह जवाब देंगे। पाकिस्तान ने आतंकवादियों के कंधे पर बंदूक रख कर यदि एक भी गोली चलाई तो उसका जवाब गोलो से दिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप को पीएम मोदी ने खरीखरी सुनाकर उनकी बोलती बंद कर दी।

तब डोनाल्ड ट्रंप में पीएम मोदी से गुजारीश कर दी कि वे कनाड़ा से भारत वापस लौटते समय थोड़ समय के लिए अमेरिका आकर उनसे मिले। लेकिन पीएम मोदी ने अपनी व्यस्थता का हवाला देकर अमेरिका आने में असमर्थता जाहिर कर दी और उलटे उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को भारत आने का न्यौता दे दिया। जिसे डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार कर लिया है। बहरहाल पीएम मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के मंच से आतंकवाद पर अपनी बात कह दी और एक तीर से कई निशाने साध लिए।

कार्टून कोना

क्या होगा ये सोचने के बजाए... मेरी स्थिति कैसी है ये सोचें...

बाबा ने ये भी बताया कि चंद्रवंशी आत्माओं के लक्षण कभी जीत, कभी हार, कभी मेहनत, कभी सहज। तो इसीलिए बाबा कहे, आप स्वयं में चेक करो कि मेरी स्थिति एकरस कहां तक बनी है

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

कभी भी कुछ भी हो सकता है। क्या होगा, क्या होगा, क्या होगा उस विषय में न जाओ, ये संकल्प मत चलाओ। परन्तु जो होगा वो अचानक होगा। लेकिन क्या हम तैयार हैं? बाबा ने बार-बार ये शब्द पूछा क्या हम तैयार हैं? समय बीच-बीच में घंटी तो बजाता रहता है। और कई बार बच्चे ये घंटी सुनकर के थोड़े जागृत भी हो जाते हैं। लेकिन उसके बाद पुनः फिर जैसे थोड़ा शान्ति महसूस होती है कि फिर आलस्य, अलबेलेपन में वापस चले जाते हैं। और इसलिए बाबा हम बच्चों को सावधान करते रहते हैं। बाबा ने कहा- बच्चे आपका लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। जब भी किसी से पूछते हैं तो ये तो ज़रूर बच्चे कहते हैं कि हाँ हम सूर्यवंशी बनेंगे। लेकिन उस लक्ष्य के हिसाब से क्या लक्षण हैं, ये स्वयं में देखना है।

सूर्यवंशी के लक्षण की दो बातें बताई बाबा ने। सूर्य की कला कभी कम-जासति नहीं होती है और सूर्यवंशी माना सदा विजयी। तो सदा विजयी और एकरस। ये दो लक्षण बताये बाबा ने। ये तैयारी मुझे अपने आप में करनी है कि क्या मेरी स्थिति कुछ भी हो जाए तो भी एकरस है, सदा विजयी हूँ, सफलतामूर्त हूँ? ये पहली तैयारी हमें अपने आप में करनी है।

बाबा ने ये भी बताया कि चंद्रवंशी आत्माओं के लक्षण कभी जीत, कभी हार, कभी मेहनत, कभी सहज। तो इसीलिए बाबा कहे, आप स्वयं में चेक करो कि मेरी स्थिति एकरस कहां तक बनी है और अगर अस्थिर हो रही है तो आवश्यकता है कि मुझे उसी बात की तैयारी करनी है अपने अन्दर। ताकि समय से पहले मैं अपने आप को तैयार कर सकूं और कोई भी प्रकृति का पेपर आए, बाबा ने बार-बार कहा कि पेपर लूं, पेपर लूं, पेपर लेंगे। और यहां तक बाबा ने कह दिया मधुबन वालों को मधुबन छोड़ना पड़ेगा, सेन्टर वालों को सेन्टर छोड़ना पड़ेगा, अपनी खटिया छोड़नी पड़ेगी, अपनी अलमारी छोड़नी पड़ेगी, सब कुछ छोड़ना पड़ेगा। भाव ये था बाबा का कि जब वो अंतिम घड़ी आयेगी, दुनिया की विनाश की बात नहीं लेकिन स्वयं की अंतिम घड़ी आयेगी तो आप उस स्थान पर नहीं होंगे जहाँ आप रह रहे हैं। नैचुरल है कोई बाहर होगा, कोई कहाँ होगा तो कोई कहाँ होगा। तो छोड़ना ही कहेंगे ना! ये तो नहीं सोचेंगे कि बस नहीं, अभी अंतिम घड़ी कैसे आ सकती है, मेरी अंतिम घड़ी तो घर में ही होनी चाहिए, मैं घर पहुंचू, डायरेक्शन दूं, घर परिवार वालों को मिलूं, ये करूं, अलमारी में जो चीज़ें रखीं हैं उसको मैं ठीक-ठाक करूं, उसके बाद मेरी अंतिम घड़ी आये।

ये तो नहीं होगा, ऐसा तो होने वाला नहीं है। तो इसीलिए बाबा कहते हैं हरेक को अंतिम समय, जब अपनी अंतिम घड़ी आ जाये तो उस समय कुछ कर नहीं सकेंगे। क्योंकि बाबा ने कहा कि ऑर्डर इज़ ऑर्डर। ऑर्डर हुआ, जाने का समय आया माना एक सेकण्ड में पंछी उड़ जायेगा।

तो उस समय ये होगा कि क्या हो रहा है, क्या नहीं हो रहा है, ये बाबा की मुरली जब चली थी उस समय सन् 2000 आने वाला था। और ये प्रिडिक्शन थी उस समय कि सैटेलाइट कनेक्शन सारे टूट जाएंगे, कम्प्यूटर क्रैश हो जाएंगे, वाई टू के करके ये लहर फैली थी विश्व के अन्दर, बाहर की दुनिया में भी और ब्राह्मणों में भी ये लहर देखने को मिली थी कि क्या होगा अभी! अगर सारा ये सन् 2000 के साल में, क्योंकि लोगों ने प्रोग्रामिंग उस तरह से कम्प्यूटर में किया था। तो ये सब क्रैश हो जाएगा तो क्या होगा? तो क्या होगा, क्या होगा, क्या होगा, ये होगा, नहीं होगा। ये संकल्प बहुतों के चलते थे।

बाबा के पास तो हरेक बच्चे का संकल्प पहुंचता ही है। इसलिए बाबा ने कहा कि ये सोचने के बजाए, क्या आप ये सोच रहे हैं कि मेरी स्थिति कैसी है? बाबा ने रिज़ल्ट भी उसमें बता दिया था कि मैजोरिटी की स्थिति में व्यर्थ और निगेटिव का बोझ है। तो पहली तैयारी जो मुझे करनी है क्या मैंने अपनी मन्सा को एकदम हल्का किया है, व्यर्थ और निगेटिव से मुक्त किया है? क्योंकि यही हलचल अगर होगी और वही मेरी अंतिम घड़ी होगी तो किस गति को प्राप्त करेंगे!

जीवन में राजयोग अपनाना जरूरी क्यों...

कार खराब होने पर उसे सर्विस स्टेशन ले जाते, शरीर में कोई तकलीफ है तो डॉक्टर के पास जाते। परंतु दुःख है तो किसके पास जायें? ये सवाल हर कोई के ज़हन में अवश्य उठता है। हरेक का दुःख अपना-अपना है। किसी को सम्बन्धों में कड़वाहट, तो किसी को शारीरिक व्याधि, तो किसी को धन की कमी, तो किसी को कुछ न होने का दुःख, किसी को खोने का दुःख, तो किसी को नौकरी न मिलने का दुःख। अगर देखा जाए तो दुःख की फेहरिस्त बड़ी लम्बी है।

ऐसे में मनुष्य चारों तरफ दौड़ता-भागता थककर बैठ जाता और ऊपर की ओर नज़र उठाकर कहता है- हे प्रभु मेरा दुःख हर लो, आप ही मुझे इन दुःखों से छुड़ा सकते हो। संसार में किसी भी मनुष्य मात्र के बस का नहीं। ऐसे दुःख भरे भाव से ऊपर की ओर देखकर गिड़गिड़ाता है। लौकिक जगत में इन दुःखों से निजात पाने का कोई रास्ता सूझता ही नहीं। ऐसी संसार की हालत हो जाने पर परमात्मा हमारी दुःख भरी आवाज़ सुनकर धरा पर आता है। वो आता तो है लेकिन हम उसे जानें कैसे! ये अपने आप में सवाल है। क्योंकि वो तो निराकार है। हमारा उसके साथ क्या सम्बन्ध है? हम जाने-अनजाने ये कहते रहे क्रत्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बंधुश्च सखा त्वमेव। त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देवदेव।।ञ्ज परन्तु हम सबका अनुभव ये है कि न तो हम उनसे मिल सके, ना ही जुड़ सके।

त्वमेव माता च पिता त्वमेव... का स्लोगन हम कब इस्तेमाल करते हैं, जब कोई रास्ता नजर नहीं आता। हम बहुत कुछ आजमाते हैं फिर भी सुई परमात्मा पर अटकी रहती है। क्योंकि हमें अंध-विश्वास ज्यादा होता है और ज्ञान का प्रकाश बहुत कम। तो उस समय करें तो क्या करें! उसी अवस्था में परमात्मा ने स्वयं हम सभी को ज्ञान का विश्वास दिलाकर सुखों की चाबी दी, आँखें खोलो और देखोञ्ज स्वर्ग नगरी तुम्हारी कैसी है!

भाव ज़रूर हमारा था लेकिन उससे जुड़ने का सही तौर-तरीका व विधि हमारे पास न होने के कारण उसका हमारे साथ मिलन नहीं हो सका।

परिणाम स्वरूप दुःख के कुचक्र में फंसते गए। जब दुःख की अति हुई, इससे निजात पाना कोई रास्ता ही नहीं बचा तब हमारे प्यारे पिता से रहा नहीं गया। और वो न सिर्फ धरा पर आये और आकर न स्वयं अपना बल्कि हमारा भी सही परिचय भी दिया। परिचय मिलने से हमारा उनके साथ सही सम्बन्ध स्थापित हुआ। वे सुख का सागर, शान्ति का सागर, ज्ञान का सागर, दयालु, कृपालु बनकर हमें अपना बनाया और दुःखों से छुड़ाया। परमात्मा और आत्मा की मिलन की इस विधि को ही राजयोग कहते हैं। परमात्मा ने हमें सबकुछ दिया जिससे हम न सिर्फ तृप्त हुए बल्कि दुःख से मुक्त भी हुए। तो आप क्या चाहते हैं! क्या आपके मन में पढ़कर नहीं लगता कि मैं भी परमात्मा से मिलन मनाऊं और अपने जीवन को भी खुशहाल बनाऊं, क्या सोच रहे हो! संकल्प करें, हिम्मत का कदम बढ़ाए राजयोग जीवनशैली को अपनाएं।

किसी दूसरे पर डिपेंड होने के बजाए बाबा पर डिपेंड करो...

सृष्टि के साथ-साथ जीवन चक्र भी परिवर्तनशील है। अभी मेरी बैटरी फुल होती जा रही है, ऐसा तो नहीं आज फुल नशा चढ़ा, कल छोटी-मोटी बात हुई तो डाउन हो जाए। फिर कहेंगे हम तो जाते हैं अपने लौकिक में, ऐसा कहना भी सिद्ध करता है अलौकिक के बने ही नहीं। मरजीवा बने ही नहीं। उनका नशा जैसे कि बालू की ढेर पर है, ज़रूर वह खिसकेगा। इसलिए उसे सीमेंट की दीवार दे दो तो उतरे नहीं।

आज मैंने बहुत अच्छा भाषण किया, तीर लग गया। मुझे नशा चढ़ गया। अगर मैं दो-चार दिन सेवा नहीं करता तो मेरी खुशी गायब हो जाती। आपस में दो-चार दोस्त मिले तो खुश, अगर नहीं मिले तो खुशी गुम। यह सब कौन-सी स्थितियां हैं? अज्ञानी तो करते लेकिन ब्राह्मणों में भी ऐसी बहुत माया है। वह कहेंगे मेरी ब्राह्मणी अच्छा क्लास कराती, तुम मेरे क्लास में आना। वह कहेंगे क्यों गये? फिर चला परचिंतन का चक्र। यह भी उल्टा चक्र है। सेवा करने जायेंगे भावना होगी दूसरे के कल्याण की। अन्दर में चलेगी पार्टीबाजी। पार्टी का करेंगे अकल्याण। बाहरी रूप बहुत अच्छा होता, अन्दर में चलेगी मीठी-मीठी छुरी, कभी आँख से तो कभी मुख से। सबसे अच्छा गुण है, सदा बाबा की एक लगन में रहकर इंडिपेंडेंट रहो परन्तु इसका यह भाव नहीं कि मैं तो अपना सबकुछ

करूंगा, नहीं। आत्माओं पर डिपेंड नहीं करो लेकिन बाबा पर डिपेंड करो। रहना तुम्हें संगठन में है, ऐसे भी नहीं मेरा तो किसी से कनेक्शन नहीं। निर्माण बनो। निर्माणता के लिए हमें यह दो हाथ मिले हैं। निर्माण बनकर हमें संगठन में चलना है। यह पक्का-पक्का वायदा करके जाओ।

अन्दर में जो कभी-कभी हलचल होती शादी करें! यह थोड़ी भी हलचल मार डालेगी। अब हलचल को समाप्त करो। मुर्दे के अन्दर हलचल होती है क्या? हम पुरानी दुनिया से मुर्दे हो गये। कहते हैं संस्कार परिवर्तन नहीं होते। मैं कहती हो गये तब तो आये हो। माया ने छोड़ा तब तो बाबा के पास पहुंचे। बाबा की गोद मिली है। इसलिए कोई ऐसे संस्कारों की हलचल उठाओ ही नहीं। नींद नहीं आती तो बाबा को याद करो। मुरली पढ़ो, यह तो अच्छी बात है, जागती ज्योति बनो। माया से चिढ़ते क्यों हो! चिढ़ते हो तो चिढ़ाती है।

एक ऋषि की कहानी उसने कहा स्त्री का मुँह नहीं देखूंगा। एक अप्सरा ने कहा मैं बताती हूँष्ठ उसने झोपड़ी के पास जाकर ज़ोर से चिल्लाया, ऋषि आवाज़ सुनकर बाहर आया उसे तरस पड़ा, उसने उठाया, देखते ही उसकी वृत्ति खराब हो गई। उसने थप्पड़ मारा बोला, तुम तो कहते थे कि हम स्त्री का मुँह नहीं देखेंगे फिर यह क्या करते हो। देखा तो मरा। तो हम भी मुर्दों को क्यों देखें! अगर आप एक आँख से देखेंगे तो वह चार आँख से देखेंगे। तंग होंगे तो वह तंग करेंगे।

सच्ची दरबार में आये हो- जो भी कीचड़ा हो दे दानष्ठ देहधारी को हाथ लगाना, माना बिच्छू को हाथ लगाना। हमारी चंचलता बाबा ने समाप्त कर दी। बाबा ने हमें अचल बनाया। हम बाबा के अंगद बच्चे हैं। आपस में भी हाथ न लगाओ, बहुत खबरदार रहना है। अगर किसी को टच करते तो बाबा टच नहीं कर सकता। इसलिए डोन्ट टच।

जीवन के रास्ते पर ध्यान से चलें

हम ऐसे समय पर आकर पहुंच गए जहाँ हमारी खुशी एक क्राइसिस(संकट) बन चुकी है अब। खुश रहना कैसे है? हम उसके बारे में बात कर रहे हैं हर रोज। मतलब जो चीज मेरी नैचुरल थी वो नैचुरल चीज ही क्या बनने लग गई? अननैचुरल। रात को नींद आना नैचुरल थी, अननैचुरल हो गई अब।

पिछले 25 साल को अगर हम देखें तो, आपको लगता 25 साल में दुनिया काफी बदली है? अगर हम रिवाइंड करके देखें तो हमें पता चलेगा कि कुछ भी सेम नहीं है। 25 साल में इतनी सारी चीज़ें बदली लेकिन वो सब बदलाव के बीच में हम इतने बिज़ी थे सब कुछ करने में कि हमने अपनी इस व्हाइट ड्रेस को लास्ट प्रायोरिटी पर रख दिया। क्योंकि अचानक से बहुत सारी चीज़ें आईं थी ना हमारे पास। एक बच्चा होता है ना उसको उसके बर्थडे के दिन बहुत सारे खिलौने दे दो तो सबके चले जाने के बाद तुरंत पहले गिफ्ट खोलने लगेगा। और उन खिलौनों में चार-छह खिलौने तो अच्छे निकल जाते हैं अब आप उस बच्चे को कुछ भी बोले चाहे खाने को, पढ? को, सोने को तो वो बच्चा कि नहीं मुझे खेलना है, खिलौना छोड़ेगा ही नहीं। क्योंकि उसे नये-नये खिलौने मिले थे।

25 साल से हम भी कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। टाइम पर सो जाओ, नहीं, मुझे खेलना है, खाना खा लो, साथ-साथ खेलना है। परिवार के साथ टाइम स्पेन्ड कर लो, नहीं, साथ में खिलौना साथ-साथ चल रहा है। तो ये 25 साल में हम अपने नये खिलौनों के साथ इतने इंगेज्ड़ हो गए थे कि हमारी अपनी प्युरिटी तो प्रायोरिटी लिस्ट पर आई ही नहीं। और इसीलिए बहुत सारे दाग लग गए। और हम ऐसे समय पर आकर पहुंच गए जहाँ हमारी खुशी एक क्राइसिस (संकट) बन चुकी है अब। खुश रहना कैसे है? हम उसके बारे में बात कर रहे हैं हर रोज़। मतलब जो चीज़ मेरी नैचुरल थी वो नैचुरल चीज़ ही क्या बनने लग गई? अननैचुरल। रात को नींद आना नैचुरल थी, अननैचुरल हो गई अब। बच्चों को पालना नैचुरल चीज़ थी अब डिफिकल्ट लग रही है। अपने ग्रैण्ड पैरेंट्स को पूछो बच्चे कितने थे? अगर सबके नाम अच्छे से याद हों तो वो भी अच्छी बात है। क्योंकि ज्वाइंट फैमिली रहती है ना! भाई के भी बच्चे, इसके भी बच्चे, उसके भी बच्चे। एक घर में इतने सारे बच्चे थे, ये हिस्ट्री नहीं है। एक घर में इतने बच्चे पैदा भी हुए, स्कूल भी गए, पढ़े भी, बड़े भी हो गए और उनके मात-पिता ने कभी नहीं बोला कि हमें तनाव है। साधन नहीं थे, कम्फर्ट्स नहीं थी, घर छोटे थे, टेक्नोलॉजी नहीं थी, किचन में कोई कम्फर्टेबल गैजेट नहीं था तो भी उन्होंने नहीं बोला कि हमें तनाव है।

आज एक या दो बच्चे गोल-गोल घूम रहे उनके सारा दिन। हम कहते मात-पिता बनना बहुत तनावपूर्ण है। अगर आप पैरेंटिंग को स्ट्रेसफुल बोलेंगे तो उस बच्चे को कौन-सी एनर्जी के साथ पाल रहे? स्ट्रेस की, स्ट्रेस की एनर्जी से पाल रहे। क्योंकि हम जो कह रहे हैं ये काम जो मेरे लाइफ का ये बड़ा स्ट्रेसफुल है। तो उस काम को कौन-सी एनर्जी जाएगी? तो ये सब क्यों हुआ, क्योंकि 25 साल में हमारे पास इतनी सारी चीज़ें आ गई कि हमारा फोकस सिर्फ काम, और काम, और काम, हम और आगे, और आगे, और आगे। पर किसी से कुछ बोलो कि क्यों इतना काम कर रहे हो, क्या चाहिए एक्जैक्टली? तो कहते अपने और अपने परिवार के लिए खुशी।

लेकिन उन्होंने सोचा जितना हम कमा लेंगे उतना हम खरीद लेंगे और जितना हम खरीद लेंगे उतना हमारे घर में खुशी आ जाएगी। और जितना खरीदते गए, खरीदते गए, खुशी से तो हम दूर जाते जा रहे हैं।

पांच साल पहले जब हम इसी हॉल में मिले होंगे तो हम स्ट्रेस की बात करते थे और आज अगर हम पांच साल बाद मिले हैं तो दुनिया में डिप्रेशन फैल चुका है। अगर वो हम पांच साल पहले भी रूक के चेंज कर लेते तो कम से कम हम डिप्रेशन तक न पहुंचते। आज भी हमारे पास टाइम है कि हम रूक के, चेक करके, चेंज कर लें। अगर हमने आज भी नहीं किया तो बहुत जल्दी डिप्रेशन एक नार्मल चीज़ बन जाएगी। और इसीलिए वो भोगी जीवन से योगी जीवन पर शिफ्ट करने की बहुत-बहुत ज़रूरत है। आप सब, हम वो जेनरेशन हैं जो 25 साल पहले वाली जीवन देखी है। लेकिन उनका क्या होगा जो पैदा ही खिलौनों के साथ हुए हैं। अब आज से10 साल पहले की जीवन विज़ुअलाइज़ कीजिए। ये टाइम है रूकने का, रूक कर चेंज करने का। भागना बन्द करें। ऐसा नहीं कि सब भाग रहे हैं हम भी भाग रहे हैं, बिना जाने कि सब सही रास्ते पर चल रहे कि नहीं चल रहे! वो ये कर रहा है तो मुझे भी ये करना है। रूकें, चेक करें और चेंज करें। जीवन के रास्ते पर प्यार से, ध्यान से चलें। भागना एक एडिक्शन बन जाती है, अचीवमेंट एक एडिक्शन बन जाती है। और अचीव करने में कुछ रॉन्ग नहीं है लेकिन न ध्यान रखते हुए अचीव करिये। और जो ध्यान रखते हुए अचीव करते हैं वो कोई कम नहीं अचीव करते, अपनी क्षमता से ज़्यादा ही अचीव करते हैं।

चौधरी ब्रह्म प्रकाश का दूरदर्शी नेतृत्व और अमिट विरासत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी : माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्ली।। दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने आज कहा कि 'चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी का दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी अमर विरासत सदैव प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी।'

उन्होंने यह वक्तव्य दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान, दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी की 107वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिया।

इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में माननीय अध्यक्ष श्री गुप्ता के अलावा उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट; लोक निर्माण एवं विधायी कार्य मंत्री श्री परवेश साहिब सिंह; समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन मंत्री श्री इन्द्राज सिंह; नगर निगम के उपमहापौर श्री जय भगवान यादव तथा मुख्य सचेतक श्री अभय वर्मा भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी के जीवन से जुड़ी दुर्लभ और ऐतिहासिक झलकियों की एक विशेष फोटो प्रदर्शनी भी विधानसभा परिसर में लगाई गई।

अपने संबोधन में माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि '15 मार्च 1979 को तत्कालीन नेता स्व. श्री साहिब सिंह वर्मा द्वारा दिल्ली विधानसभा परिसर में चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी की प्रतिमा की स्थापना की गई थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उपस्थित थे।' उन्होंने बताया कि स्व. साहिब सिंह वर्मा स्वयं चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी से गहराई से प्रभावित

थे और उन्हें अपना राजनीतिक मार्गदर्शक मानते थे। श्री गुप्ता ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि विगत वर्षों में चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी जैसे महान नेता को वैसा सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे। उन्होंने बताया कि मात्र 32 वर्ष की आयु में वे वर्ष 1952 में दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बने और बाद में चार बार संसद सदस्य के रूप में चुने गए—जो उनकी जनप्रियता को दर्शाता है।

उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट ने चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी को एक आदर्श जननेता बताया और कहा कि 'ऐसे महापुरुष सदैव जीवित रहते हैं। हमें उनकी विरासत को संरक्षित रखना चाहिए।'

लोक निर्माण एवं विधायी कार्य मंत्री श्री परवेश साहिब सिंह ने कहा कि चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी ने संसद में सदर और बाहरी दिल्ली क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और बाद में चौधरी चरण सिंह के साथ भी कार्य किया। उन्होंने यह भी स्मरण किया कि उनके पिता स्व. साहिब सिंह वर्मा ने वर्ष 1979 में चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी का चित्र विधानसभा में स्थापित किया था।

समाज कल्याण मंत्री श्री इन्द्राज सिंह ने चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी के आजीवन समर्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा वंचितों और कमजोर वर्गों के हित में कार्य किया और सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी—जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

मुख्य सचेतक श्री अभय वर्मा ने कहा कि 'जिन विभूतियों ने दिल्ली की लोकतांत्रिक पहचान को गढ़ा है, उन्हें याद रखना और उनकी स्मृति को जीवंत रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।'

दिल्ली के बाल सुधार गृह में किशोर की पीट-पीटकर हत्या

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। उत्तरी दिल्ली के मजनू का टीला स्थित बाल सुधार गृह में नहाने को लेकर हुए झगड़े में बुधवार को एक किशोर की हत्या कर दी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक को हौज खास पुलिस थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक मामले में हिरासत में लिया गया था। इस घटना को अंजाम देने वालों में शामिल एक आरोपी पर भी हत्या की कोशिश का ही आरोप है।

अस्पताल लाई पुलिस : पुलिस ने बताया कि हमले में शामिल दूसरे बंदी पर मुंडका पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 (हत्या के लिए सजा) और 34 (संयुक्त दायित्व) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस पीड़ित और दोनों आरोपियों की उम्र को सत्यापित कर रही है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया ने बताया कि लड़के को मंगलवार पूर्वाह्न 9.46 बजे हिंदू राव अस्पताल में मृत लाया गया घोषित कर दिया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट की जांच : उन्होंने बताया कि यह घटना मजनू का टीला इलाके के मैगजीन रोड स्थित स्पेशल होम फॉर बॉयज (ओएचबी-ए) में घटी। अधिकारी ने बताया प्रारंभिक जांच से खुलासा हुआ है कि सुबह करीब 9.15 बजे मृतक का नहाने के लिए बाथरूम के इस्तेमाल को लेकर दो कैदियों से झगड़ा हुआ था। बांठिया ने बताया कि मामले की जांच प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) द्वारा शुरू की गई है।

जांच में जुटी पुलिस : अधिकारी ने बताया कि संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट और मृतक के परिवार को सूचित कर दिया गया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा बीएनएसएस की धारा 196 (मजिस्ट्रेट द्वारा मौत के कारण की जांच) के तहत जांच की जा रही है। तिमारपुर पुलिस थाना में बीएनएस के खिलाफ धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। किशोर का शव अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है और पोस्टमॉर्टम की प्रतीक्षा है।

सीमापुरी विधानसभा में पानी की कमी के कारण परेशान लोग

» यूनिवर्सल मीडिया, ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र में आने वाले नंद नगरी इलाके में पीने की पानी की समस्या इन दिनों गर्मियों में विकराल रूप ले लेती है. नंद नगरी के कुछ इलाके हैं जहां पर गर्मी के इन दिनों पानी की समस्या हो जाने से इलाके के लोगों को समरसीवर का पानी पीने को मजबूर होना पड़ता है.

दिल्ली इस समय भीषण गर्मी का भयंकर ताप झेल रही है. तापमान के बढ़ते आंकड़े रोज नया कीर्तिमान रच रहे हैं. आसमान से बरसता सूरज का प्रकोप धरती के आंचल को भी खाली कर देता है. इस समय आधी से ज्यादा दिल्ली की आबादी भयंकर जल-संकट से गुजर रही है. पानी की समस्या बीते वर्षों में विकराल हो चली है. वहीं उत्तर पूर्वी दिल्ली का नंद नगरी इलाका भी इस पानी की समस्या से जूझ रहा है.

कई महीनों से पीने का पानी लोगों के घर नहीं पहुंच रहा : इलाके के लोगों का कहना है की कई महीनों से यहां पीने का पानी उनके घरों तक नहीं पहुंच पाता है. मजबूरन इन लोगों को या तो पानी खरीद कर पीना पड़ता है या फिर आसपास से इनको पानी भरकर अपने घर लाना होता है, जिससे कि उनके घरों के कामकाज चल सकें. सरकार दिल्ली में बस स्टैंड पर पानी पिलाने की बात तो करती है लेकिन उत्तर पूर्वी दिल्ली के कई ऐसे इलाके है, जहां उनको पीने का पानी नही मिल पा रहा है. वहीं सरकार का इस ओर ध्यान नहीं जा रहा है.

दिल्ली पुलिस ने फर्जी डिग्री गिरोह का किया भंडाफोड़, दो लोग गिरफ्तार

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस का प्रसार दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को 90 वर्षीय एक कोविड संक्रमित महिला की मृत्यु हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि संक्रमण से प्रदेश में अब तक कुल आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में एक जनवरी से अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित आठ लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, नब्बे वर्षीय महिला को अन्य बीमारियां भी थीं। मौत का प्राथमिक कारण अन्य सह-बिमारियां हैं। मृतक के मामले में कोरोना वायरस का पता लगना आकस्मिक है।

मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया कि दिल्ली में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 691 है। पिछले 24 घंटों में देशभर में कोविड-19 से तीन मौतें हुई हैं। केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है।

आनंद विहार पर लूट गिरोह का भंडाफोड़, मोबाइल लूटने वाले तीन ऑटो चालक गिरफ्तार

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। नई दिल्ली के आईएसबीटी आनंद विहार क्षेत्र में मोबाइल फोन लूटने वाले ऑटो चालकों के एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है. पुलिस ने इस गिरोह के तीन सदस्यों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोनू गुप्ता (37), महेश कुमार (46) और दीपक (27) के रूप में हुई है. तीनों पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रहते हैं और लंबे समय से एक-दूसरे के संपर्क में हैं.

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बस टर्मिनलों के पास साधारण ऑटो चालकों की तरह खड़ा रहता था और उन यात्रियों को निशाना बनाता था जो मोबाइल पर व्यस्त रहते थे. गिरोह का एक सदस्य मोबाइल फोन छीनता था और बाकी दो सदस्य ऑटो चलाते हुए फरार हो जाते थे. कई बार वे यात्रियों को सुनसान इलाके में ले जाकर लूटपाट करते और फिर भाग निकलते.

घटना 16 जून की है जब उत्तर प्रदेश के उन्नाव निवासी एक व्यक्ति दोपहर 12 बजे के करीब आनंद विहार बस अड्डे पर बस का इंतजार कर रहा था. तभी एक ऑटो में बैठे व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया. पीड़ित ऑटो के पीछे दौड़ने लगा, तभी पास में मौजूद पुलिस पेट्रोलिंग टीम ने यह दृश्य देखा और तुरंत कार्रवाई करते हुए नजदीकी यू-टर्न पर ऑटो को रोक लिया.

पुलिस ने तीनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और पीड़ित का मोबाइल फोन बरामद कर लिया. पूछताछ के दौरान एक और चोरी किया गया फोन भी उसके पास से बरामद हुआ. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए वारदातों को अंजाम देते थे. मोनू स्कूल छोड़ चुका है, महेश अशिक्षित है और दो बच्चों का पिता है, जबकि दीपक भी ऑटो चालक है. पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है.

दिल्ली पुलिस ने फर्जी डिग्री गिरोह का किया भंडाफोड़, दो लोग गिरफ्तार

» यूनिवर्सल मीडिया, ज्योति, संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने बुधवार को एक महिला सहित दो लोगों को धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने फर्जी शैक्षणिक डिग्री दिलाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया। पुलिस ने बताया कि उनके पास से कई जाली डिग्री प्रमाणपत्र बरामद किए गए हैं। आरोपियों ने गुरुग्राम के एक आईटी कर्मचारी को उसकी स्नातक डिग्री पुनः जारी करने का झांसा देकर उससे कथित तौर पर 1.55 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक संविदा कर्मचारी था। वह स्थायी पद पाने की कोशिश कर रहा था।

औपचारिक डिग्री की प्रति : उसके पास एक कॉलेज का अंकपत्र था लेकिन उसकी कंपनी ने उसकी औपचारिक डिग्री की प्रति मांगी थी जो उसके पास नहीं थी। एक कर्मचारी द्वारा बताए जाने पर उसने कपिल जाखड़ (34) से संपर्क किया। जिसने दावा किया कि वह उसे डिग्री हासिल करने में मदद कर सकता है। जाखड़ ने शुरुआत में करीब 30,000 रुपये मांगे लेकिन धीरे-धीरे पीड़ित से कई बार में 1.55 लाख रुपये ले लिए।

कड़कड़डूमा इलाके से गिरफ्तार : उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने बिना हस्ताक्षर वाली बीए की डिग्री भेज दी जिसे पीड़ित के नियोक्ता ने अमान्य पाया। इसके बाद संपर्क करने पर जाखड़ ने जवाब देना बंद कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गयी और जाखड़ को हरियाणा के भिवानी में उसके पैतृक गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस उसकी साथी 33 वर्षीय दामिनी शर्मा तक पहुंची, जिसे दिल्ली के कड़कड़डूमा इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया।

मोबाइल फोन-सात सिम कार्ड बरामद : पुलिस ने शर्मा के मोबाइल फोन में डिजीटल रूप में मौजूद सैकड़ों फर्जी डिग्री बरामद कीं। उन्होंने बताया कि हमने दोनों के पास से चार मोबाइल फोन और सात सिम कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी एक गिरोह का संचालन कर रहे थे। जिसमें वे विभिन्न विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्री बनाते थे।

अधिकारी ने बताया कि वे इन डिग्रियों को बड़ी रकम के बदले में भोले-भाले पीड़ितों को बेच रहे थे। पीड़ितों तथा फर्जी दस्तावेज गिरोह के नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

पहले शराब पिलाया...फिर पत्थर से सिर कुचला, प्रेम संबंध के शक में दोस्त बना हत्यारा

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। मानसरोवर पार्क थाना क्षेत्र से दो जून से लापता युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। युवक का शव साहिबाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में जावली मार्ग के पास फेंक दिया गया।

मृतक की पहचान विकास चौहान के रूप में हुई है। पांच जून को मानसरोवर पार्क थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। इसमें हत्या और अपहरण की धाराएं जोड़ी गई हैं। पुलिस ने इस मामले में मृतक के दोस्त विक्की को हिरासत में लिया है। उसे शक था कि उसके दोस्त और उसकी पत्नी के बीच संबंध हैं। इसी शक पर उसने उसकी हत्या कर दी।

टीला मोड़ थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। विकास चौहान अपने परिवार के साथ रामनगर में रहता था। परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। विकास की शादी नहीं हुई थी। वह एक कंपनी में फील्ड बॉय का काम करता था।

विकास की बहन ने बताया कि दो जून की रात साढ़े नौ बजे वह अपने दोस्त विक्की के साथ उसकी बाइक पर गई थी। रात साढ़े 11 बजे विकास की मां ने उसे फोन कर पूछा कि वह घर कब लौटेगा। उसने जवाब दिया कि वह खाना खा रहा है। थोड़ी देर में वापस आ जाएगा।

देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसे कई बार फोन किया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। तीन जून को परिजनों ने उसे हर जगह तलाश किया लेकिन वह नहीं मिला। पांच जून को परिजनों ने मानसरोवर पार्क थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

आरोप है कि जब विक्की से विकास के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि वह उसके बारे में कुछ नहीं जानता।एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 14 जून को पुलिस को पॉलिथीन और प्लास्टिक के बैग में शव मिला था। 17 जून को पुलिस टीम मानसरोवर पार्क थाने पहुंची तो वहां उन्हें विकास चौहान की पांच जून की गुमशुदगी की रिपोर्ट मिली। पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया।

परिजनों ने मृतक की पहचान उसके कपड़ों से की। शाहदरा जिला पुलिस सूत्रों ने बताया कि विक्की ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने पहले विकास को शराब पिलाई और फिर पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। शव को पॉलीथिन व बोरे में बांधकर खेत में फेंक दिया गया।

निरीक्षण से पहले अतिक्रमण हटाकर MCD अधिकारियों ने लूटी वाहवाही, अगले ही दिन फिर दिखीं अवैध रेहड़ियां और पार्किंग

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली में निगम कर्मचारियों पर अतिक्रमण हटाने के नाम पर केवल दिखावा करने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां निरीक्षण से पहले सड़कों से अतिक्रमण हटा दिया जाता है, लेकिन अगले दिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो जाती है।

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों पर आरोप है कि वे अतिक्रमण हटाने के नाम पर केवल दिखावे के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। सोमवार को, निगम की स्थायी समिति की चेयरपर्सन सत्या शर्मा और जोन उपायुक्त अभिषेक कुमार ने गौतमपुरी और सीलमपुर वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण से पहले, निगम के कर्मचारियों ने सड़कों से अवैध रेहड़ियों, पार्किंग और वाशिंग सेंटरों को हटाने का काम किया। लेकिन इसके बाद सड़कों पर वापस रेहड़ियां दिखी ।

नाम के लिए अवैध रेहड़ियों को हटाया गया : मिली जानकारी के अनुसार, निरीक्षण के एक दिन बाद, मंगलवार को, स्थानीय लोगों ने फिर अतिक्रमण की स्थिति देखी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि निगम की कार्रवाई केवल अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को दिखाने के लिए होती है। उदाहरण के लिए, जग प्रवेश चंद्र अस्पताल के पास नारियल पानी का ठिया निरीक्षण से पहले हटाया गया था, लेकिन अगले दिन वह फिर से लग गया।

इसी तरह, गौतमपुरी में सड़क पर घोड़े का अस्तबल भी निरीक्षण के समय हटाया गया था, लेकिन बाद में फिर से स्थापित कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पुलिस की जवाबदेही तय की जाए, ताकि अतिक्रमण हटाने के बाद दोबारा न हो। सत्या शर्मा ने कहा कि निगम बेहतर तरीके से अतिक्रमण हटा रहा है, लेकिन यह भी बताया कि कर्मचारियों को पहले से ही कार्रवाई की सूचना कैसे मिल जाती है।

दिल्ली के लोनी गोल चक्कर इलाके में चला बुलडोजर, 50 से ज्यादा अधिक झुग्गियां ढहाई गईं

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकलपुर विधानसभा स्थित लोनी गोलचक्कर इलाके में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब यहां झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया गया. ये कार्रवाई PWD, MCD, BSES, दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स की मौजूदगी में हुई.

लोनी रोड पर स्थित झुग्गियों को देखते ही देखते ध्वस्त कर दिया गया, जिनकी संख्या 50 से अधिक बताई जा रही है. बताया जा रहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है. अधिकारियों के मुताबिक झुग्गियां सड़क के फुटपाथ पर अवैध रूप से बनाई गई थी. बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके चलते मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी.

स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें दो-तीन दिन पहले सिर्फ मौखिक रूप से झुग्गियां हटाने को कहा गया था, लेकिन किसी प्रकार का आधिकारिक नोटिस नहीं दिया गया.

कई लोगों का यह भी कहना है कि पहले सांसद मनोज तिवारी

और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया था कि उनकी झुग्गियां नहीं हटेंगी, लेकिन अब सब वादे हवा हो गए.

झुग्गी में रहने वाले लोगों का कहना है कि वह लोग बरसों से यहां रहकर अपना जीवन यापन कर रहे थे. एक झटके में उन्हें रोड पर ला दिया गया. उनके सिर से छत छीन ली गई. अब वह लोग अपने परिवार के साथ कहां जाएंगे.

वही अधिकारियों की मानें तो कोर्ट के आदेशों के तहत यह कार्रवाई की गई और अभियान आगे भी जारी रहेगा. पीडब्ल्यूडी और एमसीडी का कहना है कि सड़क और सार्वजनिक संपत्ति को अतिक्रमण मुक्त बनाना जरूरी है ताकि यातायात और लोगों की आवाजाही में कोई बाधा न हो.

साहब! नींद से जाग जाओ... खतरे में है लोगों की जिंदगी; हैरान कर देगा ये हाल

» यूनिवर्सल मीडिया, ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली। मानसून शुरू हो चुका है। वर्षा होने पर सड़कों पर जलभराव होता है। ऐसे में यमुनापार में निगम व पीडब्ल्यूडी के खुले नाले खतरा बने हुए हैं। दोनों विभाग ने सफाई कर नालों पर स्लैब नहीं रखे हैं। इनकी लापरवाही किसी के लिए काल बन सकती है। पिछले साल वर्षा के दौरान इसी तरह की लापरवाही से चार लोगों की नाले में डूबने से मौत हुई थी। उसके बावजूद इन सरकारी एजेंसियों की नींद टूटने को तैयार नहीं है।

संवाददाता ने बुधवार को यमुनापार जगह-जगह सड़कों पर नालों की पड़ताल की। बृजपुरी, बाबू नगर, शिव विहार, गंगा नगर, सादतपुर, करावल नगर, शेरपुर में, गाजीपुर मे निगम के नाले खुले हुए मिले। अधिकतर जगह नालों से स्लैब गायब मिले।

वजीराबाद, त्रिलोकपुरी, न्यू अशोक नगर में पीडब्ल्यूडी के नाले से स्लैब के पत्थर गायब दिखे। यह स्थिति नालों की तब है जब मानसून की शुरुआत हो चुकी है। यह विभागों की गंभीरता को दर्शाता है।

दो बच्चों की जान जाने के बाद भी नहीं जागा निगम : बृजपुरी व करावल नगर रोड के नाले पर स्लैब न होने से पिछले साल दो बच्चों की नालें में डूबने से मौत हो गई थी। इन हादसों ने निगम की लापरवाही को उजागर

कर दिया था। हादसे को एक वर्ष पूरा होने वाला है, लेकिन विभाग उन हादसों से सबक लेने को तैयार नहीं है। जिस जगह बच्चे गिरे थे, वहां स्लैब है। बाकी जगह नाले से स्लैब गायब है। वजीराबाद रोड से लेकर शिव विहार तिराहे तक सड़क के दोनों तरफ निगम के खुले नाले है। कुछ जगह स्लैब के पत्थर रखे हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कभी भी वह पत्थर टूट जाते हैं और लोग नाले में गिरते हैं। सवाल किया किया अधिकतर सड़कों पर कंक्रीट का स्लैब बना होता है, लेकिन बृजपुरी व करावल नगर रोड पर ऐसा नहीं है। आशंका जताई इस बार भी हालात ऐसे रहे तो हादसे होंगे। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि जहां स्लैब नहीं रखे हैं, उन्हें रखवा दिया जाएगा।

वर्षा में मां-बेटे डूबे थे, फिर भी खुला है नाला : गाजीपुर में खोड़ा कॉलोनी के पास पिछले वर्ष वर्षा में डीडीए के निर्माणाधीन नाले में मां-बेटे के डूबकर मौत हो गई थी। जिस जगह हादसा हुआ है, उसके नजदीक ही निगम का खुला हुआ नाला है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस नाले मे उत्तर प्रदेश के बॉर्डर पर बसी खोड़ा कॉलोनी का पानी आता है। वर्षा होने पर सड़क पर जलभराव हो जाता है। पता नहीं चल पाता सड़क कौन सी है और नाला खुला है ढका हुआ है। पिछले साल जब मां-बेटे डूबे थे, तक डीडीए व निगम एक दूसरे को हादसे का जिम्मेदार बता रहे थे।

वजीराबाद रोड पर नाले से गायब हैं स्लैब : वजीराबाद रोड यमुनापार के व्यस्त मार्ग में से एक है। यह पीडब्ल्यूडी का रोड है। यह दिल्ली को उत्तर प्रदेश से जोड़ता है। इस रोड पर दिल्ली मेट्रो, डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। वर्षा होने पर सड़क पर जलभराव होता है। कई नेता विरोध दर्ज करवाने के लिए जलभराव में नाव भी चला चुके हैं। जलभराव में सड़क को ढूंढना मुश्किल हो जाता है। जलभराव में नाला व सड़क में अंतर कर पाना मुश्किल होता है। नाले से स्लैब के पत्थर गायब हैं। वर्षा होने पर हादसे की आशंका बनी रहती है।

कांवड़ यात्रा के लिए यूपी रोडवेज चलाएगा 350 बसें

कांवड़ यात्रा का समय नजदीक आ रहा है, और प्रशासन के साथ-साथ परिवहन निगम भी अपनी तैयारियों में जुट गया है। इस वर्ष 350 बसें चलाने की योजना है, जिससे कुछ रूटों पर यात्रियों को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबादः कांवड़ यात्रा शुरू होने में बस एक महीने का समय ही बचा हुआ है। ऐसे में प्रशासन के साथ-साथ परिवहन निगम ने भी अपने स्तर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला प्रशासन की मीटिंग के बाद गाजियाबाद आरएम ने फैसला किया है कि पिछले साल चलने वाले 320 बसों की जगह पर इस साल 350 बसें चलाई जाएंगी। लेकिन इसके कारण अन्य रूटों पर चलने वाले पैसेंजर्स को कुछ दिनों तक इसके कारण परेशानियों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि बाकी रूटों पर बसों की संख्या को घटाकर ऋषिकेश और हरिद्वार के रूट पर लगाया गया है। प्रशासन ने कांवड़ियों की सुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया है।

कौन से डिपो से कितनी बसों का संचालन होगा इसकी सूची भी बनाकर सभी एआरएम को सौंप दी गई है और उसके अनुसार ही तैयारियां करने को कहा गया है। सबसे अधिक बसें कौशांबी डिपो से 60 और साहिबाबाद डिपो की 55 चलाई जाएंगी। सभी बसों के मेंटेनेंस का काम भी शुरू कर दिया गया है। गाजियबाद रीजन के अंतर्गत सात बस डिपो आते हैं। इसमें मुख्य रूप से खुर्जा, बुलंदशहर, सिकंदराबाद, हापुड़, लोनी, साहिबाबाद, कौशांबी और गाजियाबाद शामिल है। कौशांबी से 60, गाजियाबाद से 30 , साहिबाबाद से 55 और लोनी से 55 मिलाकर कुल 200 बसें चलाई जा रही हैं। जबकि खुर्जा से 35, बुलंदशहर से 45,सिकंदराबाद से 25, और हापुड़ से 45 बसों का संचालन यानी कुल 150 बसें संचालित होगी। कौशांबी और लोनी डिपो से कांवड़ियों की भीड़ सबसे अधिक निकलती है।

कई रूटों से हटाई गई हैं बसें : कांवड़ यात्रा के लिए लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, सीतापुर, बस्ती, कौशांबी जैसे अलग-अलग रूटों पर चलने वाली बसों से बसों को हटाकर कांवड़ रूट पर लगाया गया है। इन रूटों पर रोजाना 10 से 12 बसें चलती हैं। आम दिनों में भी जब पैसेंजर्स की संख्या कम होती है तब भी इन रूटों पर सात से आठ बसें चलती हैं। औसतन यहां के रूटों के लिए हर एक से डेढ़ घंटे में 30 से अधिक पैसेंजर्स रवाना होते हैं। जिसकी वजह से कांवड़ यात्रा के दौरान पूरे एक महीनें तक दूसरे रूट के पैसेंजर्स को भी परेशानी उठानी पड़ेगी।

मेरठ के लिए कौशांबी से ही मिलेगी बसें : गाजियबाद बस अड्डा के साहिबाबाद डिपो में शिफ्ट होने के कारण इस बार मेरठ जाने वाली बसें जो हर बार सावन के दौरान कमलानेहरू नगर से चलती थीं इस बार कौशांबी डिपो से ही चलेंगी।

गाजियबाद आरएम केएन चौधरी ने बताया कि मेरठ वाली यह बसें एक्सप्रेस होते हुए जाएंगी क्योंकि इसके अलावा उनके पास बसों को संचालित करने के लिए कोई दूसरी जगह ही मौजूद नहीं है। जबकि बुलंदशहर के लिए जिन्हें बसें पकड़नी हैं, वे पूर्व की भांति सावन के दौरान लालकुंआ से ही बसों को पकड़ सकेंगे। प्रशासन के आदेश पर सभी एआरएम को कांवड़ के दौरान अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ती करने के भी आदेश दिए गए हैं ताकि पैसेंजर्स को और विशेषकर कांवड़ियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

कानपुर में 50 से ज्यादा झोपड़ियों में भीषण आग, बम की तरह फटने लगे सिलिंडर

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

कानपुरः यूपी के कानपुर में मंगलवार आधी रात आग का तांडव देखने को मिला। बिजली के खंभे से निकली चिंगारी सड़क के किनारे बनी झोपड़ियों पर जा गिरी, जिससे झोंपड़ी में आग लग गई। इसकी चपेट में 50 से ज्यादा झोपड़ियां आ गईं। इस दौरान झोपड़ियों में रखे घरेलू गैस सिलिंडर में हुए धमाकों से आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की सूचना पर पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

पनकी थाना क्षेत्र स्थित शताब्दी नगर रतनपुर में सड़क किनारे 50 से ज्यादा झोपड़ियों में सैकड़ों लोग गुजर-बसर करते हैं। बीती रात लगभग 1 बजे बिजली के खंभे से निकली चिंगारी एक झोंपड़ी पर जा गिरी। कुछ दी देर में आग की लपटों ने 50 से ज्यादा झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके साथ ही तेज हवाओं ने आग में घी डालने का काम किया। जिसकी वजह से आग विकराल होती चली गई।

सिलिंडरों में हुए धमाके : आग लगने पर लोग अपनी गृहस्थी समेटने लगे और जान बचाकर भागने लगे। इसी बीच सिलिंडरों के धमाकों से लोग सहम गए। कई किलोमीटर दूर तक आग का भयावह मंजर देखा जा सकता था। दर्जनों परिवारों की गृहस्थी जलकर बर्बाद हो गई। फायर बिग्रेड की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचते ही आग बुझाने में जुट गई। पनकी, अरमापुर, संचेडी समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गई।

फायर बिग्रेड की टीम ने रात तीन बजे आग पर काबू पाया। इसके बाद झोपड़ियों में रहने वाले लोग राख के मलबे में गृहस्थी का बचा हुआ सामान ढूंढने में जुटे रहे। लोगों ने सड़क पर रात गुजारी, वहीं महिलाएं रोती बिलखती रहीं। फायर ऑफिसर के मुताबिक हमारी टीम ने लोगों को झोपड़ियों से बाहर निकाला। छोटे और बड़े सिलिंडरों में धमाके हो रहे थे। आग पर काबू पा लिया गया है।

रजिस्ट्री होने के बाद भी नहीं दिया कब्जा : पीड़ितों ने विधायक से लगाई न्याय की गुहार

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद के अंकुर विहार में भू माफियाओं का आतंक देखने को मिल रहा है। अंकुर विहार इलाके के पुष्प विहार में एक परिवार ने 21 जनवरी को 100 गज के प्लॉट की रजिस्ट्री करवाई थी। इसके लिए उन्होंने बैंक से लोन भी लिया था। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया है कि अब जमीन पर कब्जा नहीं दिया जा रहा ही। परिवार को जब जमीन का कब्जा नहीं मिला तो उन्होंने विरोध किया। इसके बाद कुछ लोगों ने प्लॉट पर बुलडोजर चलवा दिया और बिजली की सप्लाई भी काट दी। पीड़ित परिवार ने जब पुलिस में शिकायत की तो उन्हें धमकी दी गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित परिवार लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर के पास पहुंचा। विधायक ने गाजियाबाद कमिश्नर कार्यालय जाकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कमिश्नर जे रविंद्र से मिलकर कार्रवाई की मांग की है।

विधायक ने बताया कि लोनी में पहले भी जमीन कब्जा करने की खबरें सामने आईं हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भू माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से काम किया जा रहा है जल्द ही आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाएगी।

फेसबुक पर हिंदू बनकर युवती से दोस्ती, अब केस वापस लेने का दबाव

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद।। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में एक युवती ने लव जिहाद का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि कोर्ट परिसर से बाहर निकलते समय आरोपी फैजान और उसके साथियों ने उस पर हमला करने का प्रयास किया। बहराइच की रहने वाली पीड़िता की पहचान फेसबुक पर फैजान से हुई थी। फैजान ने अक्षय नाम से फेसबुक आईडी बना रखी थी। दोनों की पहली मुलाकात लखनऊ में हुई और फिर मिलना-जुलना जारी रहा।

2018 में जब पीड़िता को पता चला कि फैजान मुस्लिम है, तो उसने उससे दूरी बना ली। इसके बाद फैजान ने पीड़िता के फोटो और वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में फैजान और उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

पुलिस ने फैजान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बाद में वह जमानत पर रिहा हो गया। अब पीड़िता का आरोप है कि कोर्ट में तारीख के दौरान फैजान और उसके साथी उसे धमकाते हैं और मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हैं।

पीड़िता ने गाजियाबाद के कमिश्नर जे रविंद्र गौड से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। उसने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

घर के बाहर शराब पी रहे युवकों ने किया पथराव

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम घर के बाहर शराब पी रहे युवकों ने विरोध करने पर एक व्यक्ति से मारपीट की। आसपास के लोग आए तो हमलावर पथराव करते हुए भाग गए। इसमें एक महिला चोटिल हो गई और मकानों के शीशे टूट गए।

पुलिस ने मंगलवार को नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। तिलकराम कॉलोनी में रहने वाले सुभाष के घर के बाहर सोमवार शाम कॉलोनी निवासी आकाश, विशाल और भटूरा पांच-छह अन्य साथियों संग शराब पी रहे थे। मना किये जाने पर युवकों ने उनके साथ मारपीट की। शोर मचने पर आस पास के लोग एकत्र हो गये।

इसके बाद युवकों ने लोगों पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। पड़ोस में रहने वाली महिला उमा यादव को ईंट लगने से चोट लग गई।

वहीं गली में खड़ी बाइक व खिड़की के शीशे टूट गये। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

डेबिट कार्ड बदलकर बुजुर्ग के खाते से 40 हजार रुपये निकाले

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

लोनी।। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र के जावली गांव में रहने वाले बुजुर्ग का डेबिट कार्ड बदलकर ठग ने 40 हजार रुपये निकाल लिये। 15 जून की घटना में मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। जावली गांव में रहने वाले महिपाल रविवार शाम को टीला शहबाजपुर गांव स्थित एसबीआई के एटीएम से पैसे निकालने गये थे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद एक व्यक्ति ने खुद को एटीएम का गार्ड बताया। उनके द्वारा पैसे निकालते समय व्यक्ति ने उनका पासवर्ड देख लिया और बातों में उलझाकर डेबिट कार्ड बदल दिया। घर पहुंचने के बाद मोबाइल पर 40 हजार रुपये निकालने का मैसेज मिला तो वह परिजन के साथ दोबारा एटीएम पर पहुंचे।

शौक पूरा करने के लिए लूट की घटना को देता था अंजाम

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

गाजियाबाद के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। चेकिंग के दौरान बाइक सवार तीन युवकों को रोकने पर उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने सूझबूझ से काम लेते हुए एक आरोपी सौरभ को पकड़ लिया। उसके दो साथी मौके से फरार हो गए।

आरोपी से एक अपाचे बाइक, पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान तीनों बदमाशों को रुकने का इशारा किया गया। इस पर उन्होंने पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं और भागने की कोशिश की। पकड़े गए बदमाश सौरभ ने पूछताछ में बताया कि थाना लोनी बॉर्डर और टीला मोड़ में उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस से बच रहा था। उसने स्वीकार किया कि मुकदमों के खर्च और अपने शौक पूरे करने के लिए साथियों के साथ लूट की योजना बना रहा था। आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वारदात करने की फिराक में थे। पुलिस फरार हुए दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार बदमाश से पूछताछ जारी है।

दोस्त ने खोला हत्या का राज: बोला– बहन से थे संबंध, तीन दोस्तों ने ऐसे बनाया अपहरण से मर्डर तक का खौफनाक प्लान

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से लापता हुए युवक की उसके दोस्तों ने ही गोली मार कर हत्या की थी। हत्या के बाद शव को बागपत के गढ़ी कालंजरी नदी के पुल से नीचे फेंक दिया। यह बातें शक के आधार पर हिरासत मे लिए गए आरोपी युवक ने कबूली है। हिरासत में युवक ने यह बात भी कहीं की मृतक का दोस्त की बहन के साथ संबंध थे इस कारण घटना को अंजाम दिया गया।

पुलिस को अभी डेड बॉडी नहीं मिली है। डेड बॉडी को तलाशने के लिए पुलिस ने एनडीआरएफ को पत्र लिखा है। इस मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से 23 साल का युवक 7 जून की रात को लापता हुआ था।

परिजनों ने युवक के दोस्तों पर जबरन अपहरण कर ले जाने और हत्या करने का आरोप लगाया था। परिजनों ने तीन नामजद और अज्ञात के खिलाफ शुक्रवार को लोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों ने आरोप लगाया था कि उनके बेटे का जबरन अपहरण करके लेकर गए हैं। अपहरण के बाद उसकी हत्या की गई है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की।

एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। आरोपियों के परिजन भी घर छोड़कर चले गए थे। पुलिस ने किसी तरह दबाव बनाकर एक आरोपी को मंगलवार देर रात हिरासत में लिया। हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने पूछताछ शुरू की।

गोली मारकर हत्या कर शव फेकना बताया : एसीपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि आरोपी के एक साथी की बहन से मृतक के संबंध थे। मृतक और आरोपी सभी दोस्त हैं। दोस्त की बहन के साथ संबंध होने पर तीनों ने मिलकर हत्या करने का प्लान बनाया था। योजना के तहत तीनों ने मृतक का चिरोड़ी गांव से अपहरण किया था। तीनों मृतक को जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गए थे। यहां से वह कढ़ी कलंजरी बागपत नदी के पुल के पास पहुंचे। पुल के पास युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या को अंजाम देने के बाद शव को नदी में पुल के ऊपर से फेंक दिया। हत्या के बाद तीनों अपने घर आ गए।

मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हुए : 7 जून की रात को घटा को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी अपने घर पहुंच गए। परिजनों ने उनसे पूछता की तो तीनों ने मृतक का ना पता होने की बात कही। परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने शुक्रवार में तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट कराई। रिपोर्ट दर्ज होते ही तीनों आरोपी परिवार के साथ फरार हो गए। आरोपी और उनके परिजनों के फोन भी बंद आने लगे। एसीपी ने बताया कि डेड बॉडी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद घटना का सही पता चलेगा।

किसान दुर्घटना कल्याण योजना में मिली मदद: 11 किसान परिवारों को मिले 5 लाख और 2.5 लाख के चेक

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

गाजियाबाद में किसान दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 11 किसान परिवारों को आर्थिक सहायता मिली है। तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर और मोदीनगर विधायक मंजू स्विच ने लाभार्थियों को चेक वितरित किए।

योजना के अंतर्गत गणमान्य किसानों को 5 लाख रुपए और दिव्यांग किसानों को 2.5 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर व्यक्ति को सक्षम और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी मोदीनगर, तहसीलदार मोदीनगर, नायब तहसीलदार गाजियाबाद और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बागपत से लोनी तक फैली नहर बनी नाला: 2 किमी लंबी नहर में केमिकल युक्त पानी और कचरा, स्थानीय लोग नरकीय जीवन जीने पर मजबूर

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

बागपत से लोनी तक फैली बेहटा हाजीपुर की दशकों पुरानी नहर अब नाले में तब्दील हो गई है। नहर से उठती दुर्गंध और कचरे का ढेर स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है।

करीब 2 किलोमीटर लंबी इस नहर का पानी इतना प्रदूषित है कि इसमें गिरने वाले पशुओं की केमिकल के कारण मौत हो जाती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पहले किसान इस नहर के पानी से

खेतों की सिंचाई करते थे। लेकिन आसपास की फैक्टरियों के कचरे ने नहर को प्रदूषित कर दिया है।

दिल्ली से सटे इस क्षेत्र में विकास कार्य भी नहीं हो रहे हैं। कुछ समय पहले डाली गई पाइपलाइन से नहर रोड की स्थिति और खराब कर दी है। टूटी सड़क, उड़ती धूल और कीचड़ ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है।

सिंचाई विभाग के अधीन आने वाली इस नहर की सफाई के लिए कई बार प्रयास किए गए। लेकिन जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ। स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

पति व ससुराल वालों ने महिला के साथ की मारपीट

» यूनिवर्सल मीडिया,

लोनी। लोनी थाना क्षेत्र की इकराम नगर कालोनी में रहने वाली महिला ने रविवार शाम पति, सास, ससुर पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने व मारपीट कर घर से बाहर निकालने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इकराम नगर कालोनी में सुल्ताना पति मोसिन, सास अकबरी व ससुर आस मोहम्मद के साथ रहती है। उन्होंने बताया कि छह वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। पति लेंटर की सेटरिंग का कार्य करते है। उन्होंने बताया कि पति व ससुराल पक्ष के लोग शादी के बाद से ही कम दहेज लाने की बात कहते हुए आए दिन मारपीट करते है। आरोप है कि ससुराल वाले पिछले कुछ दिनों से मायके से पचास हजार रुपये लाने की मांग कर रहे है। उन्होंने बताया कि पैसे के लिए पति ने उनकी मां मदीना से भी मारपीट की है। उनके द्वारा विरोध किये जाने पर पति व ससुराल वालों ने उनके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। उन्होंने ससुर पर बदतमीजी करने का आरोप लगाया है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गाजियाबाद के लोनी में स्विफ्ट सवार बदमाशों की अंधाधुंध फायरिंग, इलाके में दहशत

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब ग्राम गढ़ी कटिया में बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। घटना थाना अंकुर विहार क्षेत्र की है, जहां फायरिंग के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाश स्विफ्ट कार से आए थे और उन्होंने एक घर के बाहर कई राउंड फायरिंग की।

पीड़ित गौरव ने बताया कि बदमाश उनके भाई नितेश उर्फ निते को जान से मारने की नीयत से आए थे। हमलावरों ने सीधे घर को निशाना बनाकर फायरिंग की। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन गोलियों की आवाज से इलाके में अफरातफरी मच गई। परिजनों ने तुरंत गाजियाबाद पुलिस को सूचना दी और थाने में लिखित शिकायत देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फायरिंग के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस इस मामले में हर एंगल से जांच कर रही है।

रिहायशी इलाके में हुई इस अंधाधुंध फायरिंग से स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा बढ़ाने और बदमाशों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

एक व्यक्ति ने उठाया खौफनाक कदम, सामने आया ये बड़ा कारण; तीन के खिलाफ केस दर्ज

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

लोनी। गाजियाबाद के लोनी में अंकुर विहार थाना क्षेत्र की शंकर विहार कॉलोनी में बंटवारे के विवाद में स्वजन से तंग आकर दो दिन पूर्व व्यक्ति आत्महत्या कर ली। थाना पहुंची पीड़ित पत्नी ने सास, ससुर एवं जेठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शंकर विहार निवासी साधना पत्नी इरशाद का कहना है कि परिवार में सास रहीशा, ससुर असलम व जेठ अकरम का परिवार है। कुछ दिन से बंटवारे को लेकर स्वजन से पति का विवाद चल रहा था। बंटवारा न करने और विवाद के चलते पति स्वजन से परेशान रहने लगे थे। विवाद के चलते स्वजन से परेशान होकर 16 जून को पति इरशाद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता ने बताया कि आत्महत्या से पूर्व पति ने अपनी एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी की थी। जिसमें पति ने आत्महत्या करने का कारण भी बताया था।

एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार जेठ अकरम, सास रहीशा और ससुर असलम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

पीड़िता ने बताया कि आत्महत्या से पूर्व पति ने अपनी एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी की थी। जिसमें पति ने आत्महत्या करने का कारण भी बताया था।

एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार जेठ अकरम, सास रहीशा और ससुर असलम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

आबू रोड: विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तवीरों का किया सम्मान

ग्लोबल हॉस्पिटल माउंट आबू और ट्रामा सेंटर आबूरोड द्वारा कार्यक्रम आयोजित

» यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

आबू रोड,राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मनमोहिनीवन परिसर स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में विश्व रक्तदाता दिवस पर आबूरोड के 500 से अधिक रक्तवीरों का सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी इंटरनेशनल ग्लोबल हॉस्पिटल ब्लड बैंक माउंट आबू और ट्रामा सेंटर ब्लड बैंक आबूरोड द्वारा आयोजित किया गया। इसमें रक्तवीरों को मोमेंटो और सौगात देकर सम्मानित किया गया।

शुभारंभ पर अतिरिक्त महासचिव बीके करुणा भाई ने कहा कि रक्तदान-जीवनदान है। संस्थान का प्रयास रहता है कि आबूरोड-माउंट आबू क्षेत्र में रक्त की कमी नहीं हो पाए, इसलिए समय प्रति समय रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं।

अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि रक्तदान करना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। आपका रक्त किसी के जीवन में खुशहाली लाता है। किसी को जीवनदान देता है। आप सभी परम सौभाग्यशाली हैं जो इतना महान, पुण्य का कार्य करते हैं।

मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि अस्पताल के प्रयासों से कभी भी माउंट आबू और आबू रोड में रक्त की कमी नहीं हो पाती है। मेडिकल विंग नशामुक्त भारत अभियान को पूरे देश में जोर-शोर से चला रहा है, जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। आप सभी भी सदा नशे से दूर रहें और स्वस्थ जीवन जीएं।

7128 यूनिट रक्त एकत्रित किया : ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्?ढा ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक ग्लोबल हॉस्पिटल द्वारा रक्तदान शिविर और अस्पताल में रक्तदाताओं द्वारा किए गए डोनेशन से 7128 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। इसमें 3540 यूनिट ब्लड अस्पताल से 3588 यूनिट ब्लड डोनेशन कैंप के माध्यम से एकत्रित किया गया। अस्पताल द्वारा सालभर में 34 रक्तदान शिविर लगाए गए।

रक्तदान से हृदय रोग का खतरा होता है कम : पैथोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति मिश्रा ने रक्तदान का महत्व बताते हुए कहा कि रक्तदान से नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेज़ होती है, जिससे रक्त कोशिकाएं तरोताज़ा रहती हैं और शरीर सक्रिय बना रहता है। शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है। यह हृदय संबंधी रोगों के खतरे को कम करता है। कुछ शोधों के अनुसार नियमित रक्तदान से लीवर, फेफड़े और पेट के कुछ कैंसर का जोखिम घटता है। रक्तदान से खून की गाढ़ापन कम होती है, जिससे हृदयाघात और स्ट्रोक की संभावना घटती है। एक बार रक्तदान करने से लगभग 650 कैलोरीज़ खर्च होती हैं, जिससे वजन नियंत्रण में सहायता मिलती है।

जीवनरक्षक कार्य है रक्तदान : डॉ. अनिल भंसाली ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि यह जीवनरक्षक कार्य है। यह मानवता की रक्षा का कार्य है। आप सभी ऐसे ही उत्साह के साथ आगे भी रक्तदान में भाग लेते रहें। संचालन बीके विशाल भाई ने किया। आभार ट्रामा सेंटर ब्लड बैंक के प्रभागी बीके धर्मेंद्र ने माना। बालिकाओं ने स्वागत में सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। स्वागत गीत बीके युगरतन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रक्तदाता ब्रह्माकुमार भाईयों का भी सम्मान किया गया।

बयाना राजस्थानः नारी सशक्तिकरण के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी कमलेश बहन को सम्मानित करते हुए विधायक ऋतु बनावत डिप्टी कृष्णराज उपजिला कलेक्टर दीपक मित्तल श्री कल्याण फाउंडेशन बयाना मनीषा अग्रवाल अन्य।

इंदौर- ज्ञानशिखर ,मध्य प्रदेश। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्रह्माकुमारी हेमलता,सीनियर कैंसर सर्जन डॉ. संजय देसाई, कस्टम विभाग के अपर आयुक्त भ्राता दिनेश बिसेन, डॉ. शिल्पा देसाई,, किरण बिसेन, ब्रह्माकुमारी अनीता, ब्रह्माकुमारी उषा आदि।

ईरान-इजरायल युद्ध में बड़का चौधरी बनने चले थे पुतिन, ट्रंप ने कहा- पहले अपने घर की आग बुझा लो

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग।। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इज़राइल और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की. अपनी यूक्रेन वाली जंग में फंसकर चारों खाने चित हो रहे पुतिन अब इजरायल और ईरान के बीच शांति का 'मसीहा' बनने चले हैं. सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम में पुतिन ने बड़े जोश में कहा, 'हम इजरायल-ईरान के झगड़े को सुलझा सकते हैं. रूस इस संकट के समाधान के लिए एक ऐसा समझौता कराने में मदद कर सकता है जिससे ईरान को शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम चलाने की अनुमति मिले और इजराइल की सुरक्षा चिंताएं भी दूर हों.' लेकिन इस बयान को सुनकर दुनिया हैरान है. क्योंकि पुतिन अभी अपना युद्ध ही नहीं रोक पाए हैं.

पुतिन ने कहा, 'यह एक संवेदनशील मामला है, लेकिन मेरी नजर में इसका समाधान संभव है.' लेकिन पुतिन को ट्रंप ने नसीहत दी है कि वह पहले अपनी जंग से निपटें और दूसरों की फिक्र करना छोड़ दें. पुतिन का यह बयान तब आया है जब यूक्रेन ने दावा किया है कि अब तक 10 लाख रूसी सैनिक इस युद्ध में मारे गए हैं. जब रूसी राष्ट्रपति से यह पूछा गया कि अगर इजराइल ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दे तो रूस की प्रतिक्रिया क्या होगी, तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया. पुतिन ने कहा, 'मैं इस संभावना पर चर्चा भी नहीं करना चाहता.

ट्रंप ने पुतिन को सुना दिया : इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने इजरायल के हमलों के आगे झुकने से इनकार करते हुए चेताया कि अगर अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप करता है, तो यह उसके लिए 'अपूरणीय क्षति' साबित हो सकती है. पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस ने ईरान, इजराइल और अमेरिका को अपने प्रस्ताव साझा कर दिए हैं. उन्होंने कहा, 'हम किसी पर कुछ थोप नहीं रहे हैं. हम सिर्फ इस स्थिति से बाहर निकलने का एक रास्ता सुझा रहे हैं. लेकिन अंतिम निर्णय इन देशों के राजनीतिक नेतृत्व का है, खासकर ईरान और इजरायल का.' हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन की मध्यस्थता की पेशकश पर चुटकी लेते हुए कहा, 'मैंने पुतिन से कहा, मुझ पर अहसान करो. पहले अपने ही मुद्दे सुलझा लो. बाद में बाकी की चिंता करना.'

हाथरस-आनन्दपुरी कालोनी उत्तर प्रदेश : शहर के विभिन्न महिला संगठनों के तत्वावधान में आयोजित भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में शामिल नगरपालिका अध्यक्षा बहिन श्वेता चौधरी प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्व विदयालय की ओर से बी0के0 शान्ता दीदी तथा अन्य।

बीए, बीएससी, डॉक्टर 100 ब्रह्मचारिणी बेटियां बनेंगी ब्रह्माकुमारी

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

आबूरोड। उच्च शिक्षित सौ से अधिक ब्रह्मचारिणी बेटियां संयम पथ पर चलते हुए ब्रह्माकुमारी बनने जा रही हैं। देशभर से पहुंची इन बेटियों ने पहले बाकायदा उच्च शिक्षा बीए, बीएससी, बीकाम और डॉक्टरेट करने के बाद अध्यात्म की राह अपनाई है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन के डायमंड हाल में 20 जून को शाम 6 बजे से इन बेटियों का अलौकिक दिव्य समर्पण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें सौ से अधिक बेटियां पांच हजार से अधिक लोगों की मौजूदगी में विश्व कल्याण का संकल्प लेंगी। साथ ही आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत को धारण करते हुए परमात्मा शिव को अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार करेंगी। शाम 5 बजे से शांतिवन शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें सज-धजकर सभी बहनें और उनके माता-पिता, परिजन शामिल होंगे। इसके बाद डायमंड हाल में विधि-विधान से इन बेटियों के समर्पण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। समर्पण के एक दिन पूर्व अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी व संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष दीदी ने इन बेटियों और परिजन से एक-एक कर मुलाकात की।

माता-पिता लाड़लियों का हाथ दीदियों के हाथों में सौंपेंगे-

समर्पण समारोह में इन बेटियों के माता-पिता अपनी-अपनी लाड़लियों के हाथ संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी संतोष दीदी के हाथों में सौंपेंगे। इसके बाद से इन बेटियों की जिम्मेदारी ब्रह्माकुमारीज़ की हो जाएगी। मन-वचन-कर्म से संपूर्ण समर्पण के साथ ईश्वरीय नियमों का पालन करते हुए सेवाएं प्रदान करेंगी।

राजयोग मेडिटेशन से होती है शुरुआत-ब्रह्माकुमारीज से जुड़ने की शुरुआत राजयोग मेडिटेशन के सात दिवसीय कोर्स से होती है। जो संस्थान के देश-विदेश में स्थित सेवाकेंद्रों पर निःशुल्क सिखाया जाता है। राजयोग ध्यान ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षा का मुख्य आधार है। राजयोग की शिक्षा ही संस्था का मूल आधार और उद्देश्य है। संस्थान का मुख्य नारा है-स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन। हम बदलेंगे, जग बदलेगा। नैतिक मूल्यों की पुरुर्त्थान और भारत की पुरातन स्वर्णिम संस्कृति की स्थापना करना।

पांच साल सेवाकेंद्र पर रहने के बाद होता है चयन-राजयोग मेडिटेशन कोर्स के बाद छह माह तक नियमित सत्संग, राजयोग ध्यान के अभ्यास के बाद सेंटर इंचार्ज दीदी द्वारा सेवाकेंद्र पर रहने की अनुमति दी जाती है। तीन साल तक सेवाकेंद्र पर रहने के दौरान संस्थान की दिनचर्या और गाइडलाइन का पालन करना जरूरी होता है। बहनों का आचरण, चाल-चलन, स्वभाव, व्यवहार देखा-परखा जाता है। इसके बाद ट्रॉयल के लिए अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन आबू रोड के लिए माता-पिता के अनुमति पत्र, साइन के साथ पूरी प्रोफाइल के साथ फाइल बनाकर भेजी जाती है। ट्रॉयल पीरियड के दो साल बाद फिर ब्रह्माकुमारी के रूप में समर्पण की प्रक्रिया पूरी की जाती है। समर्पण के बाद फिर बहनें पूर्ण रूप से सेवाकेंद्र के माध्यम से ब्रह्माकुमारी के रूप में अपनी सेवाएं देती हैं।

अब तक 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें विश्वभर में समर्पित-वर्ष 1937 में ब्रह्माकुमारीज़ की नींव रखी गई। तब से लेकर अब तक 87 वर्ष में संस्थान में 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनों ने अपनी जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित किया है। ये बहनें तन-मन-धन के साथ समाजसेवा, विश्व कल्याण और सामाजिक, आध्यात्मिक सशक्तीकरण के कार्य में जुटी हैं।

दो साल पूर्व हुआ था विशाल समर्पण समारोह-इसके पूर्व मुख्यालय शांतिवन में ही 29 जून 2023 को ब्रह्माकुमारीज़ के इतिहास का सबसे बड़ा समर्पण समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें 450 बेटियों ने एकसाथ अपना जीवन समर्पित किया था। इनमें कभी बहनें सीए, एमटेक और डॉक्टरेट थीं।

समर्पण में सभी बहनों को कराए जाते हैं यह मुख्य तीन संकल्प-इसमें बहनें दुल्हन की तरह सज-धजकर स्टेज पर बैठती हैं, जहां उनसे वरिष्ठ दीदियां संकल्प कराती हैं। सभी को एक-एक संकल्प पत्र दिए जाते हैं। वह तीन संकल्प होते हैं-

- पहला मैं आज से मन-वचन-कर्म से परमात्मा को अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर रही हूं। आज मैं परमात्मा शिव को साजन, पति के रूप में स्वीकार करती हूं। मैं यह निर्णय अपनी स्वेच्छा से ले रही हूं।

- दूसरा- मैं सदा इस ईश्वरीय यज्ञ के बनाए नियम-मर्यादा में रहकर चलूंगी, सेवा करुंगी और सदा अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए योग-साधना को अपने जीवन का लक्ष्य बनाऊंगी।

- तीसरा- इस ईश्वरीय यज्ञ, परिवार की वरिष्ठ दीदियां ईश्वरीय सेवा के लिए जहां रहने, सेवा करने के लिए कहेंगे वहां खुशी-खुशी सेवा के लिए जाने को तैयार रहूंगी। विपरीत परिस्थिति में भी खुश रहते हुए सेवा के लिए हर बात में हां, जी का पाठ पक्का करुंगी। भगवान के घर में जो खाने-पीने मिलेगा उसका सदा खुश-राजी रहूंगी।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारी संस्था नें जिला कारागार और रिफाइनरी नगर मे चलाया जागरूकता अभियान

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

मथुरा,उत्तर प्रदेशः पूरे विश्व मे 31मई को तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है.

इसका आरम्भ सन 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा किया गया था. हर वर्ष तम्बाकू सेवन को रोकने के उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए WHO द्वारा नई थीम निर्धारित की जाती है, इस वर्ष की थीम है,'तंबाकू उत्पादों के आकर्षण के पीछे की उद्योग की नीतियों को उजागर करना'.

जिला प्रशासन नें इसी थीम के अंतर्गत सभी स्कूल कालेजों, NGO और ब्रह्माकुमारी संस्था को पत्र लिख कर जन जन को जागरूक करने की अपील की.

इसी थीम के तहत ब्रह्माकुमारी संस्था की सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी बी के कृष्णा दीदी नें जिला कारागार मे सम्बोधित करते हुए बताया कि नशा नाश की जड़ है, नशे की लत से कितने ही परिवार उजड़ जाते है. उन्होंने बताया कि राजयोग मैडिटेशन के अभ्यास से आत्मबल बढ़ता है और नशे का त्याग सहज़ हो जाता है. ईश्वरीय नशे की अनुभूति जब होती है,तब शराब तम्बाकू आदि की लत स्वतः छूट जाती है. मथुरा रिफाइनरी ऑफिसर क्लब मे भी सभी कर्मचारियों के बच्चों को स्वयं नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई.

हॉल ही मे हुए सर्वे मे यह पाया गया कि राजयोग का अभ्यास करने वाले 97% लोगों नें हमेशा के लिए तम्बाकू का सेवन छोड़ दिया है.

आयोजन को सफल बनाने मे जेल अधीछक अंशुमन गर्ग, जेलर सुशील वर्मा, डिप्टी जेलर क़रुणेश, मथुरा रिफाइनरी मे जी एम श्री डी सी वर्मा, बी के पूजा, बी के मनोज, बी के मनोहर,रिफाइनरी के अधिकारी आलोक जी और प्रमोद जी का योगदान रहा..

आगराः विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

आगरा, उत्तर प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज आर्ट गैलरी म्यूज़ियम में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम। इस अवसर पर श्री गोविंद चार जी – उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँः

- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जागरूकता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- UNEP (United Nations Environment Programme) में ब्रह्माकुमारीज संस्था की भूमिका एवं कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की सेवाओं का परिचय दिया गया।

- वर्ष 2025 की थीम 'Beat Plastic Pollution' पर वक्ताओं ने विस्तार से विचार रखे और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी।

- यौगिक कृषि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जो प्राकृतिक ऊर्जा और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय है।

- पर्यावरण सुरक्षा को लेकर संकल्प, नारे, कविताएं प्रस्तुत की गईं।

- पाँच तत्वों (पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश) को सकारात्मक ऊर्जा देने हेतु विशेष कमेन्ट्री द्वारा सकाश किया गया।

- वृक्षारोपण कार्यक्रम 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत सभी ने पौधारोपण किया और पर्यावरण रक्षा का संकल्प लिया।

बीके मधु दीदी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहाः 'पेड़ हैं तो सांस है, सांस है तो जीवन है। जीवन बचाने और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पौधारोपण और उसका संरक्षण आवश्यक है।'

यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बना, बल्कि समाज को एक सकारात्मक और स्थायी दिशा में प्रेरित करने का कार्य भी किया।

नर को नारायण बनाता- राजयोग

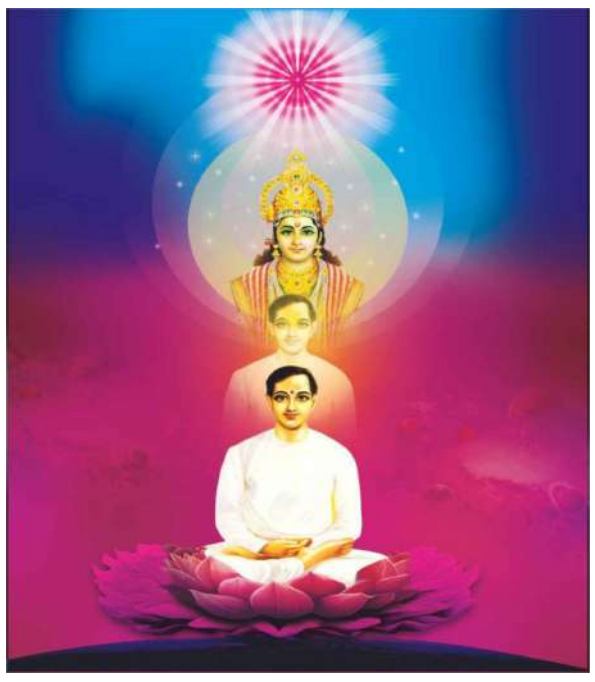

किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति एक विधि से ही सम्भव है। इसी प्रकार राजयोग ही एक विधिपूर्वक करने की प्रक्रिया है जो हमें सही मार्ग पर ले जाती है। इसका प्रथम सोपान स्वयं को जानना और द्वितीय सोपान परमात्मा को जानना। आत्मा का परमात्मा से स्नेह युक्त मिलन और उसकी अनुभूति हमारी बुद्धि और सृष्टि दोनों के नये रहस्य खोलती है। जीवन के नये आयाम उजागर होते और एक साधारणता से दिव्यता की ओर हम अग्रसर हो जाते हैं। ये परमात्मा से मिलन की अनुभूति व अनोखी प्रक्रिया है जिसे आप भी कर सकते हैं।

योग का प्रथम सोपान : ''मैं ज्योति बिन्दु हूँ'' :- योग के लिए सबसे पहले स्वयं को आत्मा निश्चय करें क्योंकि इससे हमारी स्वयं की पहचान पक्की होगी। परमात्मा से जुड़ने के लिए हमें अपने आपको उसके स्तर पर ले आना पड़ेगा। यह सम्बन्ध आध्यात्मिक है, ना कि शारीरिक। जैसे पॉवर हाउस की तार से घर की बिजली का करंट लेने के लिए तार का रबड़ उतारना पड़ता है, ठीक वैसे ही आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोड़ने के लिए देह रूपी रबड़ को भूलना होता है। इसे ही आत्म-अभिमानी होना या 'प्रत्याहार' कहा गया है। इसके लिए हमें अपने को ज्योति बिन्दु आत्मा समझकर उस स्थिति में स्थित होना होता है।

लाइलाज का इलाज राजयोग :- योग का अर्थ है आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा के साथ जोड़ना। आत्मा और परमात्मा के सर्वश्रेष्ठ मिलन को राजयोग कहते हैं। राजयोग सभी योगों का राजा है। स्वयं परमात्मा ही अपना परिचय देकर आत्मा को अपने साथ योग लगाने की विधि बताते हैं। यह योग 'राजयोग' इसलिए भी है क्योंकि इसे सभी के मन के राजा परमात्मा ने स्वयं सिखाया। इस योग द्वारा हमारे संस्कार उच्च बनते हैं इसलिए भी इसे राजयोग कहा जाता है। राजयोग ही वर्तमान जीवन में कर्मों में श्रेष्ठता लाकर हमें कर्मेन्द्रियों का राजा बनाता है।

कैसे करें राजयोग?

1. स्वयं के अंदर झाँकें :- यह प्रथम कदम है, जिसमें आपको अपने व्यर्थ विचारों को हटाकर स्वयं को आत्मा समझना है। अब स्वयं के विचारों के रूपों को आपको देखना है। यह आपके मानसिक विचारों की गति को सामान्य रूप से कम कर देगा। इसके लिए आप किसी भी आरामदायक स्थिति में बैठ कर श्रेष्ठ चिंतन करना आरम्भ करें।

2. अब उसे सही दिशा दें :- आप सकारात्मक तथा श्रेष्ठ विचारों को बार-बार मन में दोहरायें, इससे आपका मन व्यवस्थित हो जाएगा। उसे एक सही दिशा मिल जाएगी। विचारों के प्रवाह को रोकने से हमें सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होने से आप सुकून महसूस करेंगे।

3. इन विचारों का मन में चित्र बनाएं :- सकारात्मक तथा श्रेष्ठ विचारों को बुद्धि (तीसरी आँख) द्वारा इमेज या कलरफुल बनाकर देखना है। इससे हमारा अवचेतन मन पूर्णतः सक्रिय हो जाता है। रचनात्मक विचार जब हमारे अवचेतन मन से दृश्य-रूप में आना शुरु कर देते हैं तो हमारा मन शान्त होने लगता है। ये सकारात्मक और मूल्यवान चित्र न केवल हमारे शरीर और मन को आराम देते हैं बल्कि हमें सशक्त भी करते हैं।

4. इन चित्रों को दिव्यता दें :- जब हम श्रेष्ठ विचारों रूपी चित्रों को परमात्मा की सर्वोच्च शक्तियों से वेरिफाई(सत्यापित) कराते हैं तो उनमें और शक्ति आ जाती है। हमें कुछ भी नहीं सोच लेना है, हमें वो सोचना है जिससे हमारी आत्मा दिव्य बने अर्थात् हम दिव्य बनें। इसके लिए सर्वोच्च सत्ता, परमात्मा जो गुणों का सागर है, उससे जुड़ना तो पड़ेगा ना! तभी हमारे अन्दर ये सारी शक्तियां आने लगेंगी।

5. अब करें अनुभूति :- किसी चीज़ को पक्का करने के लिए बार-बार उस चीज़ को दोहराना पड़ता है। इसके लिए हमें एकाग्रता की आवश्यकता है। जैसे-जैसे आपकी एकाग्रता बढ़ेगी, अर्थात् एक श्रेष्ठ संकल्प में जब आप स्थित होंगे तो आपको सुखद अनुभूति होने लगेगी।

आप एक ऐसी नई दुनिया में प्रवेश कर जाते हैं जहाँ आप पूर्णतः शान्त हैं, शाश्वत सत्य के साथ सत्य परमशक्ति परमात्मा जो सत्यम-शिवम-सुन्दरम है उनके आकर्षण में रियल का रियलाइज़ेशन होता है। अलौकिक अनुभूति आपको सुखद फीलिंग कराती है। इस अवस्था में आपकी सर्व इन्द्रियाँ शान्त हो जाती, जो आपके वश में हो जाती हैं, आप पूर्णतः शान्त हो जाते हैं और आपका सर्वोच्च सत्ता से सम्पर्क हो जाता है, जिससे आप सम्पूर्ण रूप से शान्ति की अनुभूति में खो जाते हैं।

डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा परिभाषित सम्पूर्ण स्वास्थ्य

डब्ल्यू.एच.ओ. ने कहा कि व्यक्ति तभी सम्पूर्ण रूप से स्वस्थ माना जाएगा जब वो शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ हो, उसे ही सर्वांगीण स्वास्थ्य की संज्ञा दी जाएगी।

शारीरिक स्वास्थ्य

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति के लक्षण में बताया हैष्ठ
- जिसकी हृदय व श्वसन प्रणाली सुचारु रूप से चल रही हो।
- जिसका वजन, ग्रन्थियों का स्राव, खून का दबाव, रक्तचाप ठीक चल रहा हो।
- व्यक्ति का मस्तिष्क तथा उसके तंतुओं का सम्पूर्ण रूप से चलना, उसका सपंदन तथा क्रियान्वयन की प्रक्रिया का सुचारू होना।

मानसिक स्वास्थ्य

- मानसिक स्वास्थ्य आरोग्य का महत्वपूर्ण पहलू है। मानसिक तनाव शारीरिक बीमारियों को जन्म देता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति अपने मस्तिष्क को हर परिस्थिति में संतुलित रख सकता है।
- आत्मसंतोष यदि है तो हम मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। विपरित परिस्थिति में एकाग्रता न खोना।
- क्रोध, ईर्ष्या, नफरत, भय, आलस्य, चिंता, मोह आदि से पूर्णतः मुक्त होना मानसिक रूप से स्वस्थ होना है।

सामाजिक स्वास्थ्य

सामाजिक स्वास्थ्य के पाँच तत्व हैं जो निम्न हैं:-

- परिवार के सदस्यों के बीच आपसी स्नेह एवं शुभ भावना हो।
- बच्चों के समुचित विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। माता-पिता को दोनों के बीच संतुलन बनाना अति आवश्यक है।
- कुछ समय आध्यात्मिक मनन-चिंतन एवं जागृति लाने में व्यतीत करने से व्यक्ति के दृष्टिकोण में परिवर्तन आता है एवं वायुमंडल में भी अच्छे प्रकम्पन फैलते हैं।

आध्यात्मिक स्वास्थ्य

- आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मूर्त रूप देने का कार्य करती है हमारी आत्मजागृति।
- ज्ञान की यथार्थ स्थिति तथा आत्मा की अनुभूति का निरंतर अभ्यास।
- मोह रहित शारीरिक एवं वैश्विक जीवन जीना।
- श्रेष्ठ कार्य तथा श्रेष्ठ चरित्र की सत्य निष्ठा।
- निरंतर बुद्धि का योग एक परमात्मा के साथ लगाना।

फिटकरी में ऐसा क्या होता है, जिसके लगाते ही रुक जाता है खून? वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

आपने देखा होगा कि जब पुरुष दाढ़ी बनाते हैं, तो वे अपने साथ फिटकरी (ैल्स्) जरूर रखते हैं. दाढ़ी बनाते वक्त अगर कट लग जाए और खून बहने लगे तो फिटकरी लगाते हैं. इससे कुछ ही मिनट में खून निकलना बंद हो जाता है. कोई कट न भी लगे, तब भी दाढ़ी बनाने के बाद लोग चेहरे पर फिटकरी जरूर लगाते हैं. माना जाता है कि फिटकरी स्किन को ठंडा रखती है और इंफेक्शन से बचाती है. इसके अलावा यह स्किन की जलन और सूजन को भी कम करती है. फिटकरी का पानी घाव साफ करने में इस्तेमाल किया जाता है. अब सवाल उठता है कि फिटकरी में ऐसा क्या है, जिससे यह खून बहना रोक देती है?

एक्सपर्ट्स की मानें तो फिटकरी एक क्रिस्टलीय पदार्थ होता है. फिटकरी सफेद और लाल होती है. इसका उपयोग पुराने समय से घावों को भरने, पानी शुद्ध करने और स्किन संबंधी समस्याओं में किया जाता रहा है. इसके एंटीसेप्टिक गुणों के कारण इसे घरेलू चिकित्सा में बहुत उपयोगी माना गया है. फिटकरी में प्राकृतिक रूप से एल्युमिनियम सल्फेट पाया जाता है, जो घावों पर लगते ही ब्लड वेसल्स को सिकुड़ने में मदद करता है. यह ब्लड क्लॉटिंग को भी तेज करता है, जिससे खून बहना कम हो जाता है और घाव जल्दी सूखने लगता है. यही कारण है कि छोटे कट या शेविंग के दौरान कट लगने पर फिटकरी रगड़ी जाती है.

रिसर्च बताती हैं कि फिटकरी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण भी होते हैं. जब इसे घाव पर लगाया जाता है, तो यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकती है और संक्रमण से बचाव करती है. पुराने जमाने में न तो दवाइयां होती थीं, न एंटीबायोटिक, लेकिन लोग फिटकरी का उपयोग करके लोग घावों को साफ और सुरक्षित रखते थे. फिटकरी का इस्तेमाल केवल खून रोकने तक सीमित नहीं है. इसे पानी में डालने से पानी के अशुद्ध कण नीचे बैठ जाते हैं और पानी साफ हो जाता है. इसके अलावा फिटकरी चेहरे की झाइयां, दाने और बदबू को भी दूर करने में कारगर होती है. यह स्किन को टाइट करने का भी काम करती है. फिटकरी घरेलू उपायों में काफी फायदेमंद जरूर है, लेकिन इसका ज्यादा या गलत उपयोग नुकसान भी पहुंचा सकता है. इसे केवल एक्सटर्नल यानी शरीर की बाहरी सतहों पर इस्तेमाल करना चाहिए. आंखों, खुले घाव या बहुत बड़े कट पर सीधे इसका उपयोग करने से बचना चाहिए. उपयोग करने से पहले इसे गुनगुने पानी में भिगोकर या हल्के हाथ से घिसकर लगाना सही रहता है. इसका उपयोग करते समय सावधानी जरूर बरतें और गहरे या बड़े घाव में डॉक्टर से सलाह लें.

योग और योगा का संतुलन रखे आपको 'निरोग'

सही मायने में पूर्ण ज्ञान न होना मनुष्य की पूर्णता में बाधक है इसीलिए चाहे स्वास्थ्य हो, चाहे सम्बन्ध हो, दोनों में अतृप्ति है, असन्तुष्टि है। माना कि हम नित्य प्रतिदिन योगासन, प्राणायाम निरोगी होने के लिए करते हैं लेकिन सम्पूर्ण स्वास्थ्य तो नहीं मिलता ना! परमात्मा द्वारा प्रदत्त सम्पूर्ण स्वास्थ्य की कुंजी जिसमें योग, योगासन और उसका प्रयोग शामिल है, जिसको राजयोग कहते हैं। इसी राजयोग से तन-मन-जन संतुलित होंगे और सम्पूर्ण स्वास्थ्य मिलेगा।

योग हमारी शारीरिक क्षमताओं को बढ़ाता तथा स्वास्थ्य लाभ देता परन्तु मनोबल बढ़ाने में असमर्थ है इसलिए राजयोग को योगा के साथ जोड़ना अति आवश्यक है। शान्ति, समरसता और मनोबल के लिए राजयोग से अच्छा कोई विकल्प नहीं है। योगी वो जिसका इन्द्रियों पर संयम हो, जिसमें सद्भावना और दयालुता हो। इसलिए आसन करना ही है हमें लेकिन साथ में हमें इन्द्रियों को भी नियंत्रित करना है तो परमात्मा प्रतिदिन हमें कहते हैं कि अपने को निरोगी बनाने के लिए मुझसे अपने सर्व सम्बन्ध जोड़ो। तो जैसा परमात्मा सोचते हैं वैसा हम भी सोचने लग जाते हैं। इसलिए ये दोनों एक-दूसरे के साथ समानांतर चलने वाली प्रक्रिया है।

योग (राजयोग) से मानसिक शक्तियां विकसित होती : योग हमारी मानसिक शक्ति को बढ़ाता है। आज जहाँ एक ओर समाज में लोग डायबिटीज़, हाइपरटेन्शन, उच्च रक्तचाप का इलाज ढूंढ रहे हैं और वहीं दूसरी ओर वही बीमारियां लाइलाज बनती जा रही हैं। समाज में बढ़ता तनाव आज की युवा पीढ़ी झेल नहीं पा रही है। उससे छुटकारा पाने के लिए शराब, ड्रग्स आदि का सहारा ले रही है। ऐसे दौर में राजयोग एक ऐसी संजीवनी है जिससे हम अपने जीवन को सम्पूर्ण स्वस्थ रखते हैं। योग हमारी स्थिति को संतुलित करता है। अगर शरीर हम आत्मा का मंदिर है तो हम उसके अन्दर विराजित खूबसूरत चैतन्य मूर्ति हैं। इस जीवन को मंदिर-सा खूबसूरत बनाए रखने के लिए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना बहुत आवश्यक है। योग बहुत ही फायदेमंद भी है बशर्ते अनुशाषित रूप से किया जाए। योग हमारी विशेषताओं का विकास करता है, योग्यता को बढ़ाता है और तनाव से मुक्त रखता है।

योग से आता है सामर्थ्य : परमात्मा ने मानव मात्र को सभी शक्तियां वर्से में दी हुई हैं। किसी को दिया, किसी को नहीं दिया ऐसा नहीं है। लेकिन जो उसके लालन-पालन की कला को जानता है वो उसको विकसित करने का अवसर प्राप्त करता है। परमात्मा ने हर इन्सान में वो जहाँ भी है वहाँ से ऊपर उठने की सहज इच्छाशक्ति दी हुई है। योग उस माहौल को पैदा करने का एक सही माध्यम है। लेकिन जिसको इसका अनुभव नहीं उसको शक होता है कि क्या ये योग से सहज हो सकता है! लेकिन जिसने बीज से वृक्ष बनने की कथा को समझा है उसके लिए सम्भव है। क्योंकि अगर बीज वट वृक्ष में परिवर्तित हो सकता है तो नर भी नारायण रूप में परिवर्तित हो सकता है।

सुख-शान्ति-समृद्धि के लिए करें योग : मनोविज्ञान खोज कहती है कि मनुष्य सुख, शान्ति और सम्पत्ति चाहता तो है, लेकिन इसके लिए उसके पास पर्याप्त मानसिक शक्ति का अभाव है। मानसिक शक्तियों को बढ़ाने के लिए व उच्च-मानसिक अवस्था के लिए अधिक से अधिक ध्यान(अटेन्शन) की ज़रूरत होती है। यह निश्चित रूप से सम्भव है यदि इसकी सही विधि का पता चल जाए तो।

सबसे पहले जुड़ाव अपने मन से : योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'युज' शब्द से हुई है। जिसका अर्थ है जुड़ना या जोड़ना। अब यहां तो स्पष्ट है कि किससे जुड़ेंगे? शरीर के अंग तो पहले से ही जुड़े हुए फिर किससे और किसको जोड़ना है? इसका अर्थ तो यह हुआ कि जोड़ना अर्थात् कोई अलग-अलग अस्तित्व रखने वाली सत्ता के साथ सम्बन्ध जोड़ना। आज सभी योगासन, प्राणायाम द्वारा अपने मन को शान्त करने हेतु बहुत प्रयासरत हैं फिर भी असन्तुष्ट और अस्वस्थ हैं। कारण बड़ा ही साफ है कि जो मन को चाहिए वो नहीं मिल रहा है। मन में हमारा संसार बसता है। हम योगासन तो कर रहे होते लेकिन बीच-बीच में हमारा मन कहीं न कहीं चला जाता है। इसलिए सबसे पहले हमें अपने अर्थात् अपने मन से जुड़ना होगा।

स्वयं पर अटेन्शन ज़रूरी : हमने योगासन कराते हुए गुरूओं को भी देखा है। जो कहते हैं कि आप इन अंगों पर ध्यान दीजिए, मन के विचारों को देखिए इत्यादि। तो सबसे पहले मन को योग से जुड़ाव चाहिए। इसके लिए बार-बार हमें अपने विचारों पर ध्यान देना होगा, अटेन्शन देना होगा कि मैं जो सोच रहा हूँ उससे हटके मेरा ध्यान कहीं और तो नहीं है! तो एक बात तो स्पष्ट है कि योग के लिए शरीर के अंगों पर ध्यान केन्द्रित करें, साथ-साथ मन के विचारों को भी सकारात्मक, रिलेक्स व शांत करें। क्योंकि मन के विचारों का असर भी शरीर के प्रत्येक अंग पर पड़ता है। इसलिए निगेटिव विचारों से बचायें।

पुरुष न करें बेली फैट को इग्नोर, बड़ी समस्या की है निशानी, न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए 5 तरीके

आपने अक्सर ये देखा होगा कि पुरुष जब भी वेट गेन करते हैं तो सबसे ज्यादा उनके बेली एरिया पर फैट जम जाता है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं ऐसा हार्मोनल असंतुलन की वजह से हो सकता है। महिलाएं अपने हॉर्मोनल हेल्थ को काफी सीरियस लेती हैं, लेकिन पुरुष अक्सर इसे इग्नोर कर देते हैं।

लेकिन अगर पुरुषों के शरीर में भी हॉर्मोन्स इधर-उधर हो जाएं तो उनका बेली फैट बढ़ सकता है। डाइटीशियन रमिता कौर के मुताबिक, ऐसे दो हॉर्मोन्स हैं जो पुरुषों में तोंद निकलने की वजह बन सकते हैं और ये हैं कोर्टिसोल और टेस्टोस्टेरोन।

अगर शरीर में कोर्टिसोल हाई हो जाए तो इससे पेट में चर्बी जमा होने लगती है। वहीं, अगर टेस्टोस्टेरोन कम हो जाए तो यह कम मांसपेशियों और अधिक वसा संचय की वजह बन सकता है। लेकिन आप कुछ आसान होम रेमिडीज से इसे कम कर सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।

बेली फैट कैसे कम करें : रमिता कौर ने पुरुषों में बेली फैटी की वजहों के साथ ही इन्हें नैचुरली कम करने के उपायों को भी साझा किया है। यह जानकारी आपकी हेल्थ को सही रखने में मदद कर सकती है।

फ्लैक्स सीड्स : अलसी के बीज यानी फ्लैक्स सीड्स में लिग्नान्स से भरपूर होते हैं,जो हार्मोन्स को संतुलित करने में मदद करते हैं। ऐसे में इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। आप 1 छोटी चम्मच रोस्टेड पिसे फ्लैक्स सीड्स को स्मूदी,दही आदि में मिलाकर ले सकते हैं।

दालचीनी चाय : इसके अलावा आप रोजाना दालचीनी की चाय भी पी सकते हैं। यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करती है और पेट की चर्बी घटाती है। बेहतर रिजल्ट के लिए दोपहर के खाने के बाद दालचीनी की चाय पिएं।

आंवला जूस : पोषक तत्वों से भरपूर आंवला का जूस मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और इंफ्लेमेशन को कम करने में मददगार है। सुबह उठते ही 15स्त आंवला जूस को 100 मि.ली. पानी में मिलाकर पिएं। इससे काफी फायदा मिलेगा।

मेथी दाना : मेथी हर किसी के किचन में आसानी से मिल जाता है,जो आपके जिद्दी पेट की चर्बी को घटाने में मदद कर सकता है। मेथी के बीजों को रातभर के लिए पानी में भिगो दें और नाश्ते से 1 घंटा पहले इसके पानी का सेवन करें।

अश्वगंधा : अश्वगंधा एक शक्तिशाली जड़ी-बूटी है,जो कॉर्टिसोल को कम करता है और टेस्टोस्टेरोन को बढ़ाता है। सोने से 30 मिनट पहले अश्वगंधा की चाय पीने से हॉर्मोन बैलेंस होगा और बेली फैट कम होगा।

सुषुप्त शक्तियों की जागरूकता- राजयोग

स्वयं की जागरुकता या स्वयं के प्रति स्वयं का ध्यान या स्वयं को आत्मा समझना तथा परमात्मा से प्रेमपूर्ण आत्मिक सम्बन्ध को ही राजयोग मेडिटेशन कहते हैं। राजयोग मेडिटेशन में हम अपनी शक्ति को सर्वशक्तिमान परमात्मा के साथ केन्द्रित करते हैं, साथ-साथ उनके साथ सम्बन्ध जोड़ते हैं, तब उनकी शक्तियाँ हमारे में प्रवाहित होती हैं। ऐसा लगातार करते रहने से सकारात्मक ऊर्जा की एक श्रंखला मन में बनी रहती है, जिससे मन अपनी शक्तियों के प्रति जागरुक होने के कारण जीवन के प्रत्येक मोड़ पर उसे सहजता से उपयोग कर पाने में समर्थ होता है। आत्मा के सात निजी गुण हैं, और उनका हमारे शरीर पर प्रभाव पड़ता है। अगर गुणों की ऊर्जा सकारात्मक है, तो उसकी ऊर्जा शरीर के विभिन्न अंगों पर सकारात्मक रहती है। अगर इससे विपरीत नकारात्मक सोच है तो उसका प्रभाव नकारात्मक अर्थात् नुकसान करता है। आत्मा के सात गुण हैं- ज्ञान, पवित्रता, शान्ति, सुख, प्रेम, आनन्द और शक्ति। आओ हम देखते हैं कि किस गुण का किस अंग पर प्रभाव पड़ता है...

ज्ञान – ये आत्मा का निजी गुण है। इसका सम्बन्ध मस्तिष्क से है और मस्तिष्क का सम्बन्ध सारे शरीर से होता है। इसलिए ज्ञान अर्थात् समझ का सही उपयोग और प्रयोग करने पर शरीर की संरचना पर उसका प्रभाव पड़ता है और मस्तिष्क सही रूप से कार्य करता है।

पवित्रता – पवित्रता का सम्बन्ध हमारे इम्यून सिस्टम से है। हमारा शरीर पवित्रता की शक्ति से ही कार्य करता है। अगर इस शक्ति की कमी है तो बार-बार हमें वीकनेस फील होती है और बार-बार हम वायरल इन्फेक्शन के शिकार बन जाते हैं। पवित्रता के व्रत का पालन करने से मनुष्य निरोगी रहता है। उससे हमारी आयु भी बढ़ती है। साथ-साथ चेहरे पर तेज आता है और मन सबल होता है।

शान्ति – शान्ति आत्मा का स्वधर्म है। शान्ति से ही हर कार्य सुचारू रूप से संचालित होता है। शान्ति के कारण हमारा मस्तिष्क भी श्रेष्ठ और सरलता से कार्य करता है। इसलिए तो शान्ति हर इंसान को पसंद है। श्वासोश्वास की प्रक्रिया में अगर शान्ति है तो रोम-रोम तक ऑक्सीज़न पर्याप्त मात्रा में पहुंचता है। अगर डर और चिंता है, तो चिंताग्रस्त रहने से हमारे श्वास की गति तेज़ हो जाती है और हमारी आयु भी कम हो जाती है।

प्रेम – कहते हैं, प्रेम पत्थर को भी मोम बना देता है। प्रेम का सीधा-सा सम्बन्ध हमारे हार्ट ऑर्गन से है। इसलिए तो कहते हैं, जो करो वो दिल से करो, माना प्यार से करो। अगर प्रेम भाव में थोड़ी भी कमी है, तो वहाँ असुरक्षा, दीन-हीन की भावना हमारे हृदय प्रणाली को प्रभावित करती है। और यदि हृदय में प्रेमभाव है सबके प्रति, तो आपका हार्ट भी मजबूत हो जाता है और आपकी कार्यक्षमता बढ़ जाती है।

सुख – सुख का सम्बन्ध हमारी आँतों से है। आत्मा के सुख की शक्ति हमारी आँतों के सिस्टम को मैनेज करती है। सुख अर्थात् खुशी से लिवर और आँतें ठीक तरह से कार्य करते हैं। तभी तो कहते हैं, खुशी जैसी खुराक नहीं।

आनन्द – आनन्द का कनेक्शन हमारे शरीर में पिट्यूटरी ग्रंथि और पैंक्रियाज़ आदि को कन्ट्रोल करता है। आनन्द हमें भौतिक वस्तु, व्यक्ति, वैभव से प्राप्त नहीं होता, बल्कि परमात्मा पर ध्यान एकाग्र करने से प्राप्त होता है। हमारी पूरी त्वचा और बाल तीन महीने में बदल जाते हैं और शरीर की हड्डियां 6 महीनों में बदल जाती हैं। केवल मस्तिष्क की कुछ कोशिकायें ही इससे अप्रभावित रहती हैं, जिन्हें हम मेमोरी सेल्स कहते हैं। ये सब आनन्द की परसेन्टेज पर निर्भर करता है।

शक्ति – शक्ति का सम्बन्ध पृथ्वी तत्व से जुड़ा हुआ है और पृथ्वी तत्व से हमारे अस्थि तंत्र का निर्माण होता है। अगर हमारे अंदर पवित्रता की शक्ति की कमी है तो हमारी हड्डियों आदि में दर्द होना शुरू हो जाता है। आत्मा के सातों गुण मिलकर शरीर को चलाते हैं। इन सातों गुणों को सुचारू रूप से संचार करने का माध्यम हमारा मन है। यदि मन में प्रेम, शान्ति, सुख विचार चलते हैं, तो निश्चित ही मन भी स्वस्थ रहेगा, साथ-साथ तन भी तंदुरुस्त रहेगा। आत्मा इन्हीं सातों शक्तियों से मिलकर सतोप्रधान बनती है।

महाभारत युद्ध मन में है

'मन की मैदान में हर मानव अभी असली महाभारत की महायुध्द लड़ रहा है अपवित्रता, चारित्रिक गरीबी वा विकारों के विरुद्ध। मन बुद्धि, संस्कार व स्थूल इंद्रियों सहित शरीर रूपी रथ के रथी मनुष्य आत्मा जब सच्ची दिल से परमात्मा को अपना साथी वा सारथी बनाता है, तब उसे आत्मिक प्रेम, पवित्रता, दैवी गुण वा मानवीय मूल्यों का बल मिलता है, जिससे वह दुःख, अशांति, तनाव, विकर्म वा कर्म बंधनों के ऊपर विजय पाता है, एवं जीवन में सच्चा सुख, शांति, समृद्धि व सफलता का अधिकारी बनता है।

ब्रह्मकुमारी की यज्ञ माता मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 60 वीं पुण्य स्मृति दिवस 24 जून

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी
बीके अशोक वर्मा

ब्रह्माकुमारीज के राजस्व अश्वमेध अविनाशी रूद्र गीता ज्ञान यज्ञ जिसका शुभारंभ ड्रामा प्लान अनुसार 1936 में स्वयं परमपिता परमात्मा शिव बाबा ने भारत की भूमि पर साधारण दादा लेखराज के तन मे अवतरित होकर आरंभ किया था।अवतरण के बाद शिव बाबा ने दादा लेखराज का नाम ब्रह्मा रखा।उस समय अज्ञानता के अंधेरे में दुनिया पूरी तरह से कैद थी। बहुतो ने इस महान घटना के महत्व और वास्तविकता को नहीं समझा और इस यज्ञ तथा नए ज्ञान का जोरदार विरोध किया लेकिन धर्म परायण बाबा जरा भी डगमग नही हुये ।गीता ग्रंथ में बताए गए यदा यदा ही धर्मस्य--- के समय पर शिव बाबा का अवतरण भारत की भूमि पर तय शरीर मे हुआ।ब्रह्मबाबा बाल्यकाल से ही अति धर्म परायण थे ,गीता पाठी थे,12 गुरू किये थे।वे सत्संग भी करते थे।परमात्म प्रवेशता के बाद उनके सत्संग में काफी लोग आने लगे ।धीरे- धीरे यज्ञ में काफी संख्या में भाई-बहन आ गये।ब्रह्म वत्सो के पालना के लिए यज्ञ माता की जरूरत महसूस होने लगी।इसी बीच परमात्मा द्वारा रचित यज्ञ मे 17 वर्षीय राधे नामक कन्या की प्रवेशता हुई ।बाबा ने उन्हे देखते ही पहचान लिया कि यह तो जगदंबा सरस्वती की आत्मा है। बाबा को देखकर राधे को भी ऐसा लगा मानो उसे मंजिल मिल गई।उसे जिनकी तलाश थी वे मिल गये। राधे एक टक से बाबा को निहारती रह गई।इस तरह से राधा बाबा के सत्संग में प्रतिदिन आने लगी। राधा ओम की विशेष प्रतिकंपित ध्वनि निकालती थी। उस ध्वनी को सुनते ही सत्संग मे बैठे भाई बहन मंत्र मुग्ध हो जाते थे ।राधे की ख्याति चारो तरफ होने लगी और काफी लोग बाबा के सत्संग में आने लगे ,धीरे धीरे काफी भीड़ होने लगी । इस बीच राधे के परिवार वाले राधे की शादी की चर्चा करने लगे और तैयारी में जुट गए। एक दिन राधे ब्रह्मा बाबा के साथ सत्संग में बैठी थी। बाबा ने पूछा कि राधे क्या तुम सूट बूट वाले के साथ जाओगी या पीतांबर धारी के साथ रहोगी? मैं तुम्हें 24 घंटे का समय देता हूं सोच कर बता देना ।राधे ने तत्क्षण कहा बाबा मैं तो कृष्ण की वही राधे हू ,बाबा मैं तो पीतांबर धारी के साथ ही रहूंगी। इस तरह से बाबा ओम राधे का उत्तर सुनकर संतुष्ट हुए और राधे यज्ञ में समर्पित हो गई। ओम के प्रतिकंपन युक्त ध्वनि निकालने के कारण राधे को सभी वत्स ओमराधे से संबोधित करने लगे थे। यज्ञ मे समर्पित होने के बाद अचानक राधे की शारीरिक बनावट मे तेजी से परिवर्तन होने लगी, 17 वर्षीय कन्या मां के स्वरूप मे आ गई और सभी उन्हे मम्मा कहने लगे।मम्मा ब्रह्म बच्चो की पालना अपने विशेष गुणो द्वारा करने लगी ।नई दुनिया के निर्माण कार्य के निमित्त ब्रह्मा बाबा के साथ मम्मा ने हमेशा 'हांजी' का पार्ट बजाया।यज्ञ मे आते ही मम्मा मे बाबा के प्रति पूर्ण निश्चय हो गया।बाबा की हर बात को उन्होने भगवान की बात माना। यज्ञ के सभी भाई-बहन उन्हें मम्मा कह कर पुकारते थे यहां तक कि ब्रह्मा बाबा और उनकी युगल यशोदा माता भी उन्हें मम्मा ही कह कर पुकारती थी। जिस भारतीय संस्कृति का सम्मान आज देश और विश्व करता है,उस संस्कृति के स्वरूप को शिव बाबा ने ब्रह्म बाबा और मम्मा के स्वरूप मे दिखाया। यद्यपि बाबा और मम्मा को यज्ञ में शामिल ब्रह्म वत्स आरंभ मे ही पहचान गये, भल दुनिया वालों ने आरंभ मे इस नये ज्ञान का मजाक उडाया लेकिन उनका वह मजाक धीरे-धीरे निश्चय में बदलता गया। 1936 में बाबा ने कहा था कि अणु बम बनेगा और उससे ही दुनिया का विनाश होगा तब दुनिया वालों ने इस बात का मजाक उड़ाया था, लेकिन जब 1945 में जापान के हिरोशिमा में बम गिरा तो दुनिया वालों ने कहा कि अरे अणुबम की बात तो ब्रह्माकुमारी वाले बहुत पहले कहा था और हम लोगों ने उसे हल्का रूप में लिया था। इस तरह से ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रति लोगों में धीरे-धीरे निश्चय होने लगा ,जो लोग विरोधी थे सभी धीरे-धीरे यज्ञ में आने लगे उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और वे संस्था के अंग और समर्थक बनते गए।यज्ञ माता मम्मा की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारतीय नारी की संपूर्ण स्वरूप थी जिसे भारत माता कहा जाता है।वही संपूर्ण स्वरूप और गुण बाद में भारतीय नारी का आभूषण कहलाया ।भारतीय नारी के जिन गुणो के कारण आज भी दुनिया मे खाशकर भारत मे नारी की महिमा है उसे शिव बाबा ने मम्मा के अंदर पूरी तरह से भरी थी ।मम्मा के चेहरे में एक विशेष आभा थी, उनके नैनों में मातृत्व था,चेहरे चलन और व्यवहार मे क्षमाशीलता ,निरंहकारिता और करुणा थी।मम्मा संपूर्ण मां थी।मम्मा में कभी भी किसी ने अंश मात्र भी गुस्सा नहीं देखा। वे गुणो की खान थी।किसी भी समझानी को मम्मा बड़े प्यार से देती थी। किसी बहन या भाई से जाने अनजाने अगर कोई गलती

हो जाती तो मम्मा बड़े प्यार से समझाती थी,उनके मुख से किसी भी तरह का कोई ऐसा शब्द नहीं निकलता था जिससे किसी को जरा भी कष्ट हो।मम्मा में अंश मात्र भी कड़वाहट नही थी। मम्मा किसी के कमी कमजोरी को आंचल में छुपा लेती थी और गलती करने वाले को स्वतः ही एहसास हो जाता था। फिर दोबारा गलती नहीं करते थे। मम्मा में बाबा के प्रति संपूर्ण निश्चय था।उन्होने बाबा के किसी बात को कभी भी हल्के रूप मे नहीं लिया।उनकी बात को काटने की तो स्वप्न मे भी नही सोचा। हर बात में उन्होंने हमेशा हां जी कहा। मम्मा के हांजी के पार्ट पर अनेक संस्मरण है--एक बार बाबा ने मम्मा से कहा कि बच्चे लौट रहे हैं उन्हें हलवा खिला दीजिए ।उसी समय बच्चे तैयार होकर बस पर बैठ रहे थे,बस खुलने ही जा रही थी। मम्मा ने कहा 'जी बाबा' इस बीच किसी दूसरी बहन ने मम्मा से कहा कि अब तो बस खुल रही है कैसे हलुआ बनेगी? बाबा तो ऐसे ही कह देते हैं ।मम्मा ने कहा कि 'बाबा ने कहा है' और किचन में जाकर हलवा बनाने लगी, तब तक बस खुल गई ।हलुआ बनाकर उसे वे बाबा के पास ले गई तो बाबा ने एक भाई को कहा कि ले जाओ और स्टेशन पर ट्रेन में उस भाई को दे देना ।वह भाई साइकिल से बहुत तेजी से भागा - भागा स्टेशन गया गाड़ी अभी खुली नहीं थी और वह उस गर्म हलवा को उस भाई को दे दिया। यह सच्ची घटना मम्मा मे बाबा के प्रति निश्चय की जीवंत कहानी है।उन्होने जरा भी समय को नही देखा,सिर्फ बाबा के मुख से निकली वाणी को भगवान की वाणी माना। यह हाजी का पार्ट यज्ञ से जुडे सभी के लिए अनुकरणीय प्रेरक शिक्षा है। मम्मा मे बाबा के प्रति जितना निश्चय, निष्ठा और विश्वास था ,वही विश्वास मम्मा को जगदंबा सरस्वती के स्वरूप में स्थिर कर दिया। यज्ञ के सारे भाई-बहन मम्मा का बहुत ही आदर और सम्मान करते थे, मम्मा के प्रति उनमे काफी स्नेह था, ऐसा लगता था कि मम्मा के छतरी के बिना वे रह नहीं सकते । उन्हे मम्मा में साक्षात् देवी का दर्शन होता था।मम्मा के योग का प्रतीकंपन इस संस्था को बहुत ऊंचाई तक पहुंचा कर बट वृक्ष का आकार दे दिया।1936 में मम्मा यज्ञ में आई। वे अथक सेवा धारी थी और 24 जून1965 में संपूर्णता को प्राप्त कर फरिश्ता स्वरूप बन बाबा के पास अगले पार्ट के लिए चली गई। विश्व के लगभग 140 देशो में आज यह संस्था भारत के आध्यात्मिक रौशनी को फैला रही है। संस्था का जो आज इतना विकास हुआ है इसके पीछे जगदंबा मम्मा की पालना और योग की शक्ति है जो शिव बाबा की छतरी से उन्हे मिली। मम्मा के द्वारा शिव बाबा ने जो मां का स्वरूप दुनिया को दिखाया आज देश के लगभग दस हजार सेवाकेंद्र एवं पचास हज़ार से अधिक बीके पाठशालाओं के साथ-साथ संस्था से जुड़े ब्रह्मा बच्चों के घरो मे मम्मा का स्वरूप, गुण और उपस्थिति की भाषा की अनुभूति होती है।मम्मा को सभी किसी ने किसी रूप में बड़े ही श्रद्धा के साथ याद करते है।सभी सेवा केंद्रो पर योग भट्ठी का आयोजन होता है। 24 जून को सभी ब्राह्मण बच्चे मम्मा से विशेष शक्ति लेते हैं और मम्मा सूक्ष्म रूप में शक्ति से भरपुर करती है। जो भी ब्रह्म वत्स जरा भी मम्मा के गुण स्वरूप होकर मम्मा को याद करते हैं वे 24 जून को मम्मा से विशेष वरदान लेते है ।खास करके जो ब्रह्मा वत्स अपने आप को मम्मा समान तेजी से बनाने के प्रयास में है, वे मम्मा से बहुत कुछ प्राप्त करते हैं ।वैसे मम्मा तो सभी की मां है और सभी को बढ़ाना चाहती है लेकिन परिवर्तन का दौर अब अंतिम चरण से गुजर रही है, परिवर्तन की इस बेला में जब कि नई दुनिया अब शीघ्र आरंभ होने जा रही है और मम्मा का जो लक्ष्मी रूप में सतयुग में पार्ट आरंभ होगा तथा द्वापर से जगदंबा की जड मूर्ति के रूप में पूजी जायेगी,आज 24 जून को उस मम्मा की स्मृति दिवस मनाने का जिन्हे भी सौभाग्य मिल रहा है वे भी विशेष आत्मा है।परिवर्तन की अंतिम बेला मे जब दुनिया विनाश के दौर से गुजर रही है,मम्मा और बाबा के इश्वरीय ज्ञान का महत्व काफी बढता जा रहा है।भले ही दुनिया वालो मे कुछ लोगो को यह इश्वरीय ज्ञान कुछ अजीब लगे लेकिन है सच । हर 5000 वर्ष के अंतराल पर भारत की भूमि पर ही स्वर्ग बनता है ।कल्प के समापन पर और संगम युग के बाद सतयुग का आरंभ होना तय रहता है ।गीता में यह बात लिखी हुई है ।गीता ग्रंथ के अनुसार एक बार सृष्टि चक्र घूम जाता है। बाबा और मम्मा के अंदर शिव बाबा जिन गुणो को भर कर नई दुनिया आरंभ करते हैं वही गुण ही भारतीय संस्कृति कहलाती है और इस संस्कृति का प्रसार पूरे विश्व में होता है । ढाई हजार वर्ष तक देवी देवता का सिंहासन होता है,देवी देवताओं का राज होता है ,फिर द्वापर से सभी देवी देवता मंदिरों में स्थान लेते हैं और इस तरह चक्र घुमता रहता है। फिर द्वापर और कलयुग फिर पुरुषोत्तम संगम युग जो बाबा के अवतरण का युग है,आरंभ होता है । संगम युग पर बच्चे ईश्वरीय पढाई पढ़कर और सहज राजयोग का अभ्यास कर संपूर्णता को प्राप्त कर नई दुनिया सतयुग मे नंबरवार पुरूषार्थ अनुसार पद लेते है।

भारत मे सर्वोच्च पद राष्ट्रपति का होता है और उसके ऊपर का पद देवी देवता का होता है।1981 के महावाक्य मुरली मे बाबा ने कहा है कि राष्ट्र पति भवन आप बच्चो का घर होगा।नारी को शिव की शक्ति कहा जाता है,आज सर्वोच्च राष्ट्र पति के पद पर नारी शक्ति ब्रह्माकुमारीज द्रोपदी मुर्मू जी आसिन है ।

1936 मे बाबा के अवतरण के साथ पुरुषोत्तम संगम युग आरंभ होता है और इस युग की अवधि 100 वर्षों का निर्धारित किया जाता रहा है । वरतमान संगम युग का 90 वर्ष बीत चुके ,पुरुषोत्तम संगम युग को बाबा ने पांचवा लीप युग कहा और इसे निर्माण का युग कहा । अगर साधारण और भारतीय चुनावी सिस्टम वाली भाषा में कही जाए तो जिस तरह पांच वर्षो के अंतराल पर आचार संहिता लगाकर राज्य एवं केंद्र सरकार के लिए चुनाव होते है और चुनाव प्रक्रिया के दौर को आचार संहिता का दौर कहा जाता है।उस दौर में कोई सरकार नहीं होती है सिर्फ कार्यकारी सरकार होती है। चुनाव के बाद बहुमत के आधार पर सरकार बनती है और योग्यता अनुसार पद मिलती है। ठीक यही स्थिति हरेक 5000 वर्ष के अंतराल पर धरती पर बनती है 5000 वर्ष के अंदर के चार युग सतयुग ,त्रेता ,द्वापर और कलयुग के समापन के बाद नई दुनिया यानी नई सरकार के निमित्त थोड़ा समय जो मिलता है वह समय पुरुषोत्तम संगम युग का होता है ,उसमें कोई देवी देवता नहीं होते सभी नई दुनिया मे उच्च पद पाने के लिए योग तपस्या के रेस में लगे रहते हैं , और जब वह संगम युग का समय समाप्त होता है तो अपने पुरुषार्थ के आधार पर उन्हें पद मिलती है और नई दुनिया मे 5000 वर्ष के लिए नया पार्ट आरंभ होता है ।मम्मा और बाबा' नई दुनिया में लक्ष्मी और नारायण बनते हैं।

टोल टैक्स : एंट्री और एग्जिट को क्या एक ट्रिप माना जाएगा या दो? क्या कहा सरकार ने

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

15 अगस्त 2025 से भारत में निजी वाहन मालिकों को एक सालाना FASTag टोल पास का विकल्प मिलेगा. इसके लिए 3000 रुपये का शुल्क देना होगा. इसकी वैधता एक साल तक या 200 बार टोल पार करने तक रहेगी (जो भी पहले हो). इसी से संबंधित एक जरूरी जानकारी है, जिसे शायद आपने मिस कर दिया हो. यह जानकारी ऐसे टोल सिस्टम से जुड़ी है, जहां पर एंट्री और एग्जिट दोनों ही रिकॉर्ड किए जाते हैं. इस बारे में सरकार ने स्पष्ट किया है एंट्री और एग्जिट दोनों वाले टोल सिस्टम को एक ही ट्रिप माना जाएगा, न कि दो. इससे दो बार चार्ज नहीं लगेगा.

यह वह व्यवस्था होती है जहां वाहन जब टोल रास्ते में प्रवेश करता है, तब एक्सेस पॉइंट पर उसका नंबर या FASTag स्कैन होता है. जब वही वाहन, रास्ते के अंत में या किसी एग्ज़िट पॉइंट से बाहर निकलता है, तब उसकी निकासी भी दर्ज होती है. यहां वाहन को दो टोल प्लाज़ा से गुजरना पड़ता है, एक एंट्री पर और दूसरा एग्जिट पर. तो इसे 1 ही माना

जाएगा, न कि दो.

इस योजना से उन लोगों को काफी राहत मिलेगी जो रोज़ या बार-बार नेशनल हाईवे पर सफर करते हैं. उन्हें हर बार पैसे कटने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी और टोल पर समय की भी बचत होगी. इससे ट्रैफिक कम होगा और सफर ज्यादा आसान बनेगा. लेकिन आपके लिए यह भी जानना जरूरी है कि यह पास स्टेट टोल सिस्टम पर नहीं चलेगा.

केवल प्राइवेट वाहनों को मिलेगा पास : इस स्कीम की घोषणा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 17 जून को की और यह योजना केंद्र सरकार की अधिसूचना के ज़रिए लागू की जा रही है. इसका उद्देश्य है कि टोल प्लाजा पर लगने वाली भीड़ को कम किया जाए, टोल भुगतान की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए और सफर को बिना रुकावट के बनाया जाए.

इस वार्षिक टोल पास की कीमत 3,000 रुपये तय की गई है. यह एक प्रीपेड सुविधा है जिसमें आपको बार-बार FASTag से कटौती नहीं होगी. जब पास एक बार एक्टिवेट हो जाएगा, तो वह एक साल तक वैध रहेगा या फिर 200 बार टोल पार करने तक. चाहे हर टोल पर कितना भी चार्ज हो, वो मायने नहीं रखेगा.

यह सुविधा सिर्फ निजी उपयोग वाले वाहनों के लिए है, जैसे कार, जीप और वैन. इसका फायदा सिर्फ उन्हीं वाहन चालकों को मिलेगा, जिनके पास वैलिड रजिस्ट्रेशन और एक्टिव फास्टैग है. यह सुविधा कमर्शियल वाहनों जैसे ट्रक, बस और टैक्सी के लिए नहीं होगी.

कैसे होगा एक्टिव : इस पास को एक्टिवेट करने के लिए सरकार जल्द ही एक लिंक जारी करेगी, जो 'राजमार्ग यात्रा ऐप', श्र्दंॅऊप (सड़क परिवहन मंत्रालय) और NHAI (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) की वेबसाइट्स पर उपलब्ध रहेगा. वहां पर वाहन से जुड़ी जानकारी और FASTag ID डालकर पास को एक्टिव किया जा सकेगा.

क्या हर साल बदलेगी इसकी कीमत : हर साल 1 अप्रैल से इस पास की कीमत में बदलाव हो सकता है. यह बदलाव महंगाई या नीतियों के आधार पर किया जाएगा, जैसा कि नए नियमों में उल्लेख किया गया है.

क्रिसिल के सीनियर डायरेक्टर जगन्नारायण पद्मनाभन के अनुसार, यह पास उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी होगा जो हर साल 2,500 से 3,000 किलोमीटर या उससे ज्यादा सफर करते हैं. ऐसे यात्रियों को इससे अच्छी बचत भी होगी और लंबी दूरी की यात्रा ज्यादा आरामदायक बन जाएगी.

पूरा भिखारी बन गया है पाकिस्तान! पाई-पाई के लिए हर जगह फैला रहा हाथ, अब 5 बैंकों से मांगे एक अरब डॉलर

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। पाकिस्तान की खस्ताहाल हालत अब किसी से छुपी नहीं है. उसके खाली हो चुके खजाने के बाद अब सामान्य खर्चे भी पूरा करना मुश्किल हो रहा है. अपने खर्चे पूरे करने के लिए वह कभी आईएमएफ से भीख मांग रहा तो कभी विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक से पैसे मांगता है. इस कड़ी में पाकिस्तान पैसे मांगने दुबई भी जा पहुंचा. जहां 5 बैंकों ने मिलकर उसे 1 अरब डॉलर (करीब 8.6 हजार करोड़ रुपये) का कर्ज दिया है.

पाकिस्तान ने एक अरब डॉलर का यह कर्ज पांच वर्षीय 'सिंडिकेटेड टर्म फाइनेंस' के जरिये लिए हैं और इस पर हस्ताक्षर किए हैं. यह देश में जारी आर्थिक संकट के बीच प्रमुख वित्तपोषकों से मजबूत समर्थन का संकेत है. 'सिंडिकेटेड टर्म फाइनेंस' एक प्रकार का ऋण है, जिसमें दो या दो से अधिक बैंक या वित्तीय संस्थान मिलकर एक ही उधारकर्ता (व्यक्ति, कंपनी या सरकार) को यह लोन देते हैं.

किन बैंकों ने दिया है उधार : पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दुबई इस्लामिक बैंक ने एकमात्र इस्लामिक वैश्विक समन्वयक के रूप में काम किया, जबकि स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक इसके प्रमुख प्रबंधक रहे. अन्य वित्तपोषकों में अबू धाबी इस्लामिक बैंक, शारजाह इस्लामिक बैंक, अजमान बैंक और एचबीएल शामिल हैं. इन सभी ने मिलकर 1 अरब डॉलर का लोन दिया है.

5 साल में लौटाना होगा पैसा : वित्त मंत्रालय ने एडीबी (एशियाई विकास बैंक) कार्यक्रम 'उन्नत संसाधन संग्रहण एवं उपयोग सुधार' की नीति-आधारित गारंटी द्वारा आंशिक रूप से गारंटीकृत 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की 'सिंडिकेटेड टर्म फाइनेंस' सुविधा पर हस्ताक्षर किए हैं. मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने करीब ढाई वर्ष के बाद पश्चिम एशिया वित्तीय बाजार में सफलतापूर्वक प्रवेश किया जो राजकोषीय स्थिरता में बाजार के नए भरोसे और पाकिस्तान के व्यापक आर्थिक संकेतकों में समग्र सुधार का संकेत देता है. यह लेन-देन पश्चिम एशिया के बैंकों के साथ पाकिस्तान सरकार की नई साझेदारी की शुरुआत का भी प्रतीक है.

लोन लेकर खुश है पाकिस्तान : पाकिस्तान के वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'पाकिस्तान को एडीबी समर्थित गारंटी और पश्चिम एशिया के बैंकों के मजबूत समर्थन से एक अरब अमेरिकी डॉलर का ऐतिहासिक वित्तपोषण प्राप्त हुआ है. इस महीने की शुरुआत में फिलीपीन स्थित बैंक ने पाकिस्तान में राजकोषीय स्थिरता को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए 80 करोड़ डॉलर के कार्यक्रम को मंजूरी दी थी.

दिवालिया होने की कगार पर पाक : पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मदद से 2023-24 में दिवाला होने से बाल-बाल बच गया था. इसके बाद पिछले साल इसने अच्छे नतीजों के साथ अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए काम किया. इसके 30 जून को समाप्त होने वाले चालू वित्तवर्ष के पहले 11 महीनों में इसने 1.8 अरब डॉलर का चालू खाता अधिशेष दर्ज किया जिसने इसे ऋणदाताओं का विश्वास हासिल करने में मदद की. पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून तक के वित्तवर्ष का अनुसरण करता है.

एक गलती और उखड़ गया कंधा, WWE महिला पहलवान का करियर दांव पर, निक्की बेला से होनी थी 'जंग'

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्लीः WWE je@ के एक मैच में लिव मॉर्गन को गंभीर चोट लग गई, जिससे फैंस काफी चिंतित हैं। एक मूव के दौरान लिव का कंधा खिसक गया, जिसके कारण मैच को तुरंत रोकना पड़ा। अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या वह कुछ हफ्तों में होने वाले इवोल्यूशन पे-पर-व्यू तक ठीक हो पाएंगी, जहां उनका मुकाबला निक्की बेला से होने की अफवाह थी। उनकी जगह किसी अन्य रेसलर को लेने की चर्चा है और इस बदलाव से पूरे इवेंट पर असर पड़ सकता है।

कैसे लगी लीव मॉर्गन को चोट : सोमवार रात रॉ में लिव मॉर्गन और कैरी सेन के बीच एक सिंगल्स मैच के दौरान एक गंभीर घटना घटी। एक सामान्य मैच अचानक चिंताजनक हो गया जब कैरी के एक मूव से लिव मॉर्गन

का कंधा डिसलोकेट हो गया। रेसलिंग में हम इसे ही कंधा उखड़ना रहते हैं। रेफरी ने तुरंत मैच रोक दिया और WWE मेडिकल स्टाफ तुरंत रिंग में पहुंचे। दर्शकों को यह देखकर झटका लगा और कमेंट्री में पुष्टि की गई कि मॉर्गन आगे नहीं खेल पाएंगी। बाद में, सूत्रों ने बताया कि चोट पहली सोच से कहीं ज्यादा गंभीर है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इवोल्यूशन पे-पर-व्यू नजदीक है। WWE, लिव मॉर्गन और निक्की बेला के बीच एक मैच की तैयारी कर रहा था, जिसे लेकर फैंस उत्साहित थे। अब लिव मॉर्गन के घायल होने के कारण WWE को अपनी योजनाओं में बदलाव करना पड़ सकता है। कुछ विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, WWE इवेंट में लिव मॉर्गन की जगह किसी और को लाने की तैयारी कर रहा है यदि वह समय पर ठीक नहीं हो पाती हैं।

WWE के 5 स्टार रेसलर जिन्होंने छोटी सी उम्र में गंवाई जान, एक तो बीच रिंग में कह गया दुनिया को अलविदा

लिव मॉर्गन को रिप्लेस कर सकती है ये रेसलर : खबर है कि राइजिंग स्टार रोक्सेन पेरेज को निक्की बेला के नए प्रतिद्वंद्वी के रूप में माना जा रहा है। मॉर्गन और पेरेज दोनों ही द जजमेंट डे फैक्शन के सदस्य हैं, जो WWE को बिना गति खोए कहानी को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा विकल्प देती है। डोमिनिक मिस्टीरियो, जो लिव मॉर्गन के मौजूदा एंगल में शामिल रहे हैं, उनके रोक्सेन के साथ जुड़ने की उम्मीद है। इस अनएक्सपेक्टेड मोड़ से नए रचनात्मक अवसर पैदा हो सकते हैं। लिव मॉर्गन की वापसी के बाद, उनके स्टेबलमेट्स के साथ उनकी कहानी जजमेंट डे के भीतर एक गहरी कहानी को जन्म दे सकती है।

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर ने पकड़ी भारत की फ्लाइट, स्टार्क के बाद दिल्ली के एक और खिलाड़ी ने हाथ खींचा

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्लीः दिल्ली कैपिटल्स के मिचेल स्टार्क और डोनोवन फेरेरा ने आईपीएल के बचे मैचों के लिए वापस नहीं लौटने का फैसला किया है। वहीं इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स अंतिम दो लीग मैच के लिए मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फेरेरा ने दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन को अपने फैसले से अवगत करा दिया है। स्टार्क दिल्ली कैपिटल्स के अभियान में अहम खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 11 मैच में 26.14 के औसत से 14 विकेट झटके हैं जिससे वह टीम के विकेट लेने वाले मुख्य गेंदबाज रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति दिल्ली कैपिटल्स की प्लेऑफ की उम्मीदों के लिए एक बड़ा झटका है। वहीं फेरेरा इस सत्र में केवल एक बार ही खेल पाए हैं।

साउथ अफ्रीका के ही युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स बचे हुए तीन लीग मैच के लिए दिल्ली की टीम में शामिल हो चुके हैं। अगर दिल्ली कैपिटल्स क्वालीफाई करती है तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की टीम में शामिल स्टब्स प्लेऑफ के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स के उप कप्तान फाफ डुप्लेसी ने बचे हुए आईपीएल के लिए लौटने का फैसला किया है जो टीम के लिए राहत की बात है। जबकि बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने अपने राष्ट्रीय बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है जिन्हें जेक फ्रेजर मैकगुर्क के अस्थायी प्रतिस्थापन के रूप में अनुबंधित किया गया था और वह 18 से 24 मई तक सीमित अवधि के लिए उपलब्ध रहेंगे।

18 मई को नहीं खेल पाएंगे इंगलिस और स्टोइनिस : वहीं मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस पंजाब किंग्स में शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं लेकिन 18 मई को आईपीएल की बहाली के बाद पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज जैक्स ने शुक्रवार को 'इंस्टाग्राम' पर वापसी के लिए मुंबई की फ्लाइट टिकट की तस्वीर पोस्ट करके अपनी वापसी की पुष्टि की। लेकिन हमवतन जोस बटलर की तरह जैक्स मुंबई इंडियंस के अंतिम दो लीग मैच खेलने के बाद राष्ट्रीय टीम की प्रतिबद्धता के के लिए रवाना हो जाएंगे क्योंकि आईपीएल के प्लेऑफ वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरु हो रही इंग्लैंड की सफेद गेंद की सीरीज से टकरा रहे हैं। मुंबई इंडियंस इस समय अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए उसे अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के निलंबित करने बाद 17 मई से फिर शुरू किया गया है जिससे अब आईपीएल फाइनल तीन जून को होगा।

प्रभास की हीरोइन, बॉलीवुड में नहीं जमा पाई सिक्का, अजय देवगन-अक्षय कुमार भी नहीं बचा पाए डूबता करियर

साउथ की इस सुपरस्टार एक्ट्रेस ने अजय देवगन के साथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था. उनकी पहली फिल्म जबरदस्त हिट रही थी और इस फिल्म ने बॉलीवुड में कॉप यूनिवर्स की नींव रखी थी. अब तक आपने अंदाजा लगा लिया होगा कि हम यहां किसकी बात कर रहे हैं.

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल आज 19 जून को अपना बर्थडे मना रही हैं. अजय देवगन संग काजल अग्रवाल की ये फिल्म हिट रही थी, लेकिन इसकी सफलता का उन्हें कुछ खास श्रेय नहीं मिल पाया था. कॉप यूनिवर्स की शुरुआत करने वाली इस फिल्म की सफलता का सारा क्रेडिट डायरेक्टर रोहित शेट्टी और एक्टर अजय देवगन ले गए थे.

काजल ने अजय देवगन की पहली सिंघम में काम किया था और उन्हें काफी हद तक पसंद भी किया गया था. लेकिन जब इस फ्रैंचाइजी की दूसरी फिल्म बनी, तो एक्ट्रेस को रिप्लेस कर दिया गया.

साउथ की कई एक्ट्रेसेस ने बॉलीवुड में किस्मत आजमाई, तो कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ने हिंदी फिल्मों में फ्लॉप होने के बाद साउथ का रुख किया. साउथ फिल्म इंडस्ट्री की वो नामी एक्ट्रेस जिन्होंने बॉलीवुड में कदम तो रखा, लेकिन वो अपनी सफलता को दोहरा नहीं पाई. उन्होंने अजय देवगन और अक्षय कुमार के साथ फिल्में की, लेकिन वो भी उनका डगमगाता करियर बचा नहीं सके.

काजल अग्रवाल ने अजय देवगन के बाद अक्षय कुमार के साथ काम किया था. वो 'स्पेशल 2' में अक्षय कुमार और अनुपम खेर के साथ नजर आई थीं. ये फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर कुछ खास सफल नहीं रही थी.

काजल को शुरुआत में कुछ खास सफलता और पहचान न मिलने के बाद उन्होंने हिंदी फिल्मों में कुछ खास काम नहीं किया. वो साउथ फिल्मों में वापस लौट गईं.

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस ने प्रभास,रामचरण, सूरिया, महेश बाबू, चिरंजीवी सहित कई सितारों के साथ काम किया है. वो साउथ फिल्मों में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. ऑस्कर विजेता डायरेक्टर एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी 'मगधीरा' काजल के करियर के लिए गेम चेंजिंग साबित हुई थी.

साल 2009 में आई 'मगधीरा' ने, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया. राम चरण के साथ उनकी जोड़ी और राजकुमारी 'इंदु' के किरदार ने खूब वाहवाही बटोरी. यह फिल्म तेलुगू सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही.

इसके बाद 'डार्लिंग', 'बृंदावनम', 'मिस्टर परफेक्ट', 'बिजनेसमैन', 'नायक', 'बादशाह', 'टेंपर' और 'कैदी नंबर 150' जैसी तेलुगू सफल फिल्मों ने उन्हें साउथ की टॉप एक्ट्रेस में से एक बना दिया. तेलुगू के साथ ही काजल ने तमिल सिनेमा में भी खास मुकाम हासिल किया. 'नान महान अल्ला', 'थुप्पक्की', 'जिल्ला', 'विवेगम' और 'मेर्सल' जैसी फिल्मों ने उनकी एक्टिंग का लोहा मनवाया.

संजय कपूर से तलाक के बाद टूट गई थीं करिश्मा, दूसरी बार शादी से कर लिया था तौबा, पिता रणधीर ने बताई थी वजह

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर का 12 जून, 2025 को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. बताया जा रहा है कि वह एक पोलो मैच खेल रहे थे, जब एक मधुमक्खी उनके मुंह में चली गई और उसकी वजह से उन्हें दिल का दौरा पड़ गया. संजय कपूर से तलाक के बाद करिश्मा कपूर ने दोबारा शादी नहीं की. वो अकेले ही अपने दोनों बच्चों की परवरिश करती रहीं.

2017 में दिए एक इंटरव्यू में, करिश्मा के पापा और दिग्गज एक्टर रणधीर कपूर ने कहा था कि करिश्मा अपनी लाइफ से पूरी तरह खुश हैं. एक्ट्रेस का अपने पहले पति से तलाक के बाद दूसरी शादी का कोई इरादा नहीं था. बेटी करिश्मा के बारे में बात करते हुए रणधीर कपूर ने कहा था, 'मुझे लगता है कि लोलो (करिश्मा) बहुत अच्छे से सेटल हैं और खुश हैं. मैंने उससे इस बारे में कभी बात नहीं की, लेकिन अगर वो शादी करना चाहे, तो उसे मेरा आशीर्वाद है. लेकिन ऐसा लग नहीं रहा कि वो अब शादी करना चाहती है.'

तलाक के बाद खुश थीं करिश्मा : रणधीर ने ये भी कहा कि करिश्मा एक बेहतरीन मां हैं और बच्चों के लिए पूरी तरह समर्पित हैं. इसी वजह से शायद उन्हें शादी की ज़रूरत महसूस नहीं होती. करिश्मा और संजय का तलाक साल 2016 में काफी चर्चा में रहा था. उस वक्त भी रणधीर कपूर ने साफ कहा था, 'मैं कभी भी इस शादी के पक्ष में नहीं था.'

90 के दशक की टॉप बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर बिजनेसमैन संजय कपूर की दूसरी पत्नी हैं. उन्होंने साल 2003 में संजय से शादी की थी और इस शादी से उनके दो बच्चे कियान और समायरा है. साल 2016 में कपल का तलाक हो गया था और उस वक्त इनके रिश्ते की काफी चर्चा हुई थी. दोनों ने पब्लिक में एक-दूसरे पर कई आरोप लगाए थे.

संजय कपूर ने तलाक याचिका में दावा किया था कि करिश्मा ने उनसे पैसे के लिए शादी की थी. वहीं, एक्ट्रेस ने एक्स हस्बैंड पर घरेलू हिंसा के साथ ही उन्हें प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे.

गलवान घाटी में इस हीरोइन संग नजर आएंगे सलमान खान, रश्मिका मंदाना के बाद अब 10 साल छोटी हीरोइन के साथ करेंगे काम

सलमान खान की पिछली फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स-ऑफिस पर कुछ खास सफल नहीं रही थी. ध्ऊऊ पर भी फिल्म को कुछ ज्यादा अच्छा रिस्पांस नहीं मिला था.

अब एक्टर अपने करियर के नए चरण के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें वह एक देशभक्ति से भरी सैन्य एक्शन ड्रामा में नजर आएंगे. 'सिकंदर' को मिली ठंडी प्रतिक्रिया के बाद, मेगास्टार ने अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस को फाइनल कर लिया है.

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है.

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह को फिल्म में सलमान खान के अपोजिट लीड रोल मिला है. ये जोड़ी पहली बार फिल्म में स्क्रीन शेयर करती नजर आएगी. एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह हजारों ख्वाहिशें ऐसी में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने बाद में मुख्यधारा सिनेमा में देसी बॉयज़ और गब्बर इज़ बैक के आइटम सॉन्ग 'आओ राजा' जैसी फिल्मों के साथ पहचान बनाई.

बेस्ड है फिल्म : यह अनटाइटल्ड फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह की किताब 'इंडिया'स मोस्ट फियरलेस 3' के गलवान अध्याय पर आधारित बताई जा रही है. सलमान कथित तौर पर कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका निभाएंगे, जो 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे और गलवान संघर्ष के दौरान उन्होंने भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था.

यह प्रोजेक्ट सलमान खान के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पहली बार होगा जब वह एक रियल लाइफ कैरेक्टर को अदा करने जा रहे हैं जबकि उन्होंने पहले हीरो और जय हो में सैन्य वर्दी पहनी थी. शूटआउट एट लोखंडवाला के निर्देशक अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित, फिल्म वास्तविक घटनाओं की रोमांचक वर्जन और हाई-ऑक्टेन एक्शन और भावनात्मक गहराई का वादा करती है.

पिंकविला के अनुसार, मुख्य फोटोग्राफी जुलाई 2025 में शुरू होगी, और टीम 70 दिनों के तंग शूटिंग शेड्यूल की योजना बना रही है. फिल्म अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है. सलमान वर्तमान में फिल्म में एक्शन करने और सैनिक के रोल में नजर आने के लिए ट्रेनिंग ले रहे हैं.

मंदिरा बेदी को घूरते थे क्रिकेटर्स, सवालों को कर देते थे इग्नोर, 'बिम्बो'- बेवकूफ कहकर मजाक उड़ाते थे लोग

मंदिरा बेदी का नाम लेते ही सबसे पहले दिमाग में क्रिकेट होस्ट करने वाली पहली महिला की छवि आती है. वो पहली एक्ट्रेस हैं जिन्होंने क्रिकेट मैच होस्ट किया था. मंदिरा बेदी शानदार एक्ट्रेस होने के साथ ही कमाल की होस्ट और फिटनेस आइकॉन भी हैं. क्रिकेट कमेंट्री कर मंदिरा बेदी ने देशभर में खूब सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन उस वक्त कुछ लोग ऐसे भी थी जो इस बात को सहन नहीं कर पाए थे कि एक महिला क्रिकेट कमेंट्री कर रही है. लोगों ने मंदिरा को ट्रोल करने और उन्हें नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा था.

मंदिरा बेदी ने क्रिकेट होस्ट करके खूब सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन उन्हें उस वक्त ट्रोलिंग का भी शिकार होना पड़ा था. मंदिरा ने फीमेल कमेंटेटर के तौर पर अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि पैनल में सीनियर क्रिकेटर्स अक्सर उनके सवाल को इग्नोर कर देते थे.

एक इंटरव्यू में मंदिरा ने खुलासा किया कि पुरुष-प्रधान कमेंट्री पैनल में उनकी मौजूदगी को कई बार नजरअंदाज किया गया. वो कहती हैं, 'जब मैं कोई सवाल पूछती थी, तो लोग मुझे घूरते रहते और जवाब नहीं देते. मुझे ऐसा लगता था जैसे मैं वहां थी ही नहीं. मैं बहुत अपमानित महसूस करती थी और वो अनुभव मेरे लिए काफी कठिन था'.

इज्जत नहीं देते थे लोग

इन सबके बावजूद मंदिरा ने हार नहीं मानी. उन्होंने खुद पर भरोसा बनाए रखा और धीरे-धीरे लाइव टेलीविजन की दुनिया में अपनी जगह पक्की कर ली. उन्होंने कहा, 'भले ही वो मेरे साथ पर्सनली सम्मान से पेश नहीं आया जाता था, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें मुझे सम्मान देना ही पड़ता था.'

सोशल मीडिया से पहले करते थे ट्रोल : मंदिरा बेदी ने सोशल मीडिया के शुरू होने से पहले ही ट्रोलिंग का सामना करना शुरू कर दिया था. चैनल वालों ने पहले उन्हें इंटरनेट कमेंट्स से दूर रहने की सलाह दी. लेकिन जब उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अपने काम पर पकड़ बना ली, तो उन्हें खुद जाकर देखना पड़ा कि लोग उनके बारे में क्या कह रहे हैं. वो कहती हैं, 'मुझे बिम्बो, डमी या एयरहेड कहे जाने पर बहुत बुरा लगा. ये बातें चोट पहुंचाती थीं'.

वो कहती हैं कि उन्होंने खुद को संभाला और फैसला किया कि वो टूर्नामेंट पूरा करेंगी. मंदिरा कहती हैं, 'मैं यहां हूं, और मैं इस टूर्नामेंट को पूरा करूंगी और मजे से करूंगी.'

मंदिरा ने जिस तरह से कमेंट्री की दुनिया में खुद को साबित किया, वो सिर्फ एक महिला की नहीं, बल्कि कई महिलाओं के लिए रास्ता खोलने वाली बात थी. उन्होंने न सिर्फ लोगों की सोच बदली, बल्कि यह भी दिखा दिया कि क्रिकेट जैसी गंभीर और तकनीकी चीजों पर महिलाओं की भी उतनी ही मजबूत पकड़ हो सकती है.

बिना हीरोइन वाली वो फिल्म, जिसके सस्पेंस ने हिला दिया था दिमाग, अकेले हीरो पर टिकी थी पूरी फिल्म

8 साल पहले बॉलीवुड में एक फिल्म आई थी जिसमें कोई बड़ा हीरो, कोई नामी एक्ट्रेस नहीं था. दो मंझे हुए एक्टर्स के कंधों पर इस फिल्म को सफल बनाने की जिम्मेदारी थी, जो उस वक्त दर्शकों के बीच कुछ खास पॉपुलर भी नहीं थे. ये फिल्म राजकुमार राव और पंकज त्रिपाठी स्टारर न्यूटन है. न्यूटन उस वक्त बॉक्स-ऑफिस पर वो सफलता हासिल नहीं कर पाई थी जिसकी वो हकदार थी, लेकिन इस फिल्म खूब तारीफ हुई थी.

फिल्म न्यूटन की कहानी है नूतन कुमार नाम के एक सरकारी अफसर की, जो हमेशा ईमानदारी से काम करने में भरोसा रखता है. उसका नाम थोड़ा पुराना लगता है, इसलिए लोग उसे मज़ाक में 'न्यूटन' कहने लगते हैं. लेकिन न्यूटन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. वो हर हाल में सही काम करने वाला इंसान है – भले ही सामने कितनी भी मुश्किलें क्यों ना आ जाएं.

एक दिन उसे एक ऐसा चुनावी काम दिया जाता है, जहां कोई जाना नहीं चाहता. उसे भेजा जाता है छत्तीसगढ़ के जंगलों में, एक ऐसे इलाके में जहां नक्सली खतरा बना रहता है और जहां लोग वोटिंग को लेकर बिल्कुल जागरूक नहीं हैं. यहां के आदिवासी ना चुनाव को समझते हैं, ना ही उन्हें इससे कोई मतलब है.

न्यूटन को ये जिम्मेदारी मिलती है कि वह इस इलाके में चुनाव कराए. उसके साथ जाते हैं कुछ अन्य कर्मचारी और एक सिक्योरिटी टीम, जिसका नेतृत्व करते हैं सीआरपीएफ कमांडर आत्मा सिंह, जिसका किरदार पंकज त्रिपाठी ने निभाया है. आत्मा सिंह एक अनुभवी ऑफिसर हैं, जो इस इलाके के खतरों को भली-भांति समझते हैं. उनका मानना है कि वोटिंग सिर्फ एक औपचारिकता है – सरकार को दिखाना है कि सब जगह चुनाव हो रहा है, चाहे असल में कोई वोट डाले या नहीं, लेकिन न्यूटन इस बात से सहमत नहीं होता.

वह चाहता है कि जब वह आया है तो ईमानदारी से हर एक मतदाता को वोट डालने का अधिकार मिलना चाहिए. यहां से शुरू होती है न्यूटन और आत्मा सिंह के बीच की सोच की लड़ाई – एक तरफ सिस्टम को समझने वाला व्यावहारिक ऑफिसर, और दूसरी तरफ उस सिस्टम को सच्चाई से निभाने की कोशिश करने वाला एक अकेला अफसर.

फिल्म में दिखाया गया है कि आदिवासी लोग खुद नहीं जानते कि वोटिंग क्या है. उन्हें किसी ने उनकी भाषा में समझाया ही नहीं. यहां तक कि उन्हें डर है कि अगर वे वोट देंगे तो नक्सली मार सकते हैं. न्यूटन फिर भी डटा रहता है – वह चुनाव कराने की जिद पर अड़ा रहता है, भले ही वोट सिर्फ एक इंसान का ही क्यों ना हो.

फिल्म का माहौल गंभीर है लेकिन बहुत ही सच्चाई से भरा हुआ है. इसमें कोई मसाला या दिखावा नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जो हमारे देश के लोकतंत्र की असलियत को सामने लाती है. राजकुमार राव ने इस फिल्म में शानदार प्रदर्शन कर खूब वाहवाही बटोरी थी.

इस फिल्म की सबसे अनोखी बात ये भी न इसमें कोई मसाला था, न कोई हीरोइन और न कोई ग्लैमरस एलीमेंट, लेकिन कहानी की सच्चाई और राजकुमार राव के किरदार की ईमानदारी इसे सबसे बेहतरीन फिल्मों में शामिल करने में सफल रहती है.

कर्म सिद्धांत

'कर्मों का सिद्धान्त है, जैसे बोयेंगे वैसे पाएंगे। ईश्वर को प्यार से याद करेंगे तो ईश्वर आपको प्यार से याद करेंगे। कर्म करते हुए भी आप हमेशा ईश्वर को ध्यान में रखेंगे, तो ईश्वर भी सदा संसार का ध्यान रखने का कार्य करते हुए हमेशा आपको ध्यान में रखेंगे।'

संत वाणी

आंख मिचौनी के खेल में 'गौल' छू लेने पर फिर चोर नही होना पडता, उसी प्रकार ईशवर को छूने पर फिर सांसारिक बंधन नहीं बांधते।

लोहा जब एक बार पारस को छू कर सोना हो जाता है, तब चाहे उसे मिटटी ये भीतर रखो या कूडे नें फेंक दो ।वह जहां रहेगा सोना ही रहेगा,लोहा ना होगा। इसी प्रकार जो ईशवर को पी चुका है,वह बशती मे रहे चाहे जंगल नें रहे,उसे फिर दाग नही लग सकता।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक ज्योति अरोड़ा एवं संपादक राकेश कुमार द्वारा लक्ष्य प्रिंटर्स 521/8बी, ग्राउंड फ्लोर, गली नं. 14, आदर्श मौहल्ला, मौजपूर, दिल्ली-53 से मुद्रित एवं सी-802, मयुर ध्वज अपार्टमेंट, गीता कालोनी, दिल्ली-110031से प्रकाशित।
यूनिवर्सल मीडिया न्यूज़पेपर परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित है और उन्हीं के प्रेरणा स्रोत प्रकाशित किया जाता है। नोटः किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायलय ही मान्य होगा।
रचनाओं, लेख और समाचार आदि से संपादक, प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक हैं। RNI No. : DLHIN/25/A0565, Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021